श्रावण शुक्ल - 5 संवत 2082 वर्ष - 13 अंक - 7 पृष्ठ - 8 रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 29-07-2025 www.dakshinbharat.com Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 ऑपरेशन सिंदूर में कितने विमान गिरे : कांग्रेस

6 ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता 'गेमचेंजर'

7 'किंगडम' में विजय देवरकोंडा की एटिंग पर रश्मिका मंदाना हुई कायल

फर्स्ट टेक

पूरे भारत में सिर्फ 20 लाख कनेक्शन दे सकती है स्टारलिंक

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार राज्यमंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने सोमवार को कहा कि उद्योगपति एलन मस्क की अगुवाई वाली उपग्रह संचार सेवा प्रदाता कंपनी स्टारलिंक भारत में केवल 20 लाख कनेक्शन दे सकती हैं, ऐसे में सार्वजनिक क्षेत्र की बीएसएनएल समेत अन्य दूरसंचार कंपनियों को कोई जोखिम नहीं है। उन्होंने यहां बीएसएनएल की समीक्षा बैठक के मौके पर कहा, ''स्टारलिंक के भारत में केवल 20 लाख ग्राहक हो सकते हैं और वह 200 एमबीपीएस तक की गति प्रदान कर सकती है। इससे दूरसंचार सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा।'' सैटकॉम सेवाओं का लक्ष्य ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों को बनाया जाएगा जहां बीएसएनएल की अच्छी उपस्थिति है।

आंध्र प्रदेश में गोदावरी नदी उफान पर, बाढ़ की चेतावनी जारी

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) ने गोदावरी नदी के बढ़ते जलस्तर के मद्देनजर उसके किनारे रहने वाले लोगों को बाढ़ के खतरे के प्रति सतर्क रहने की सोमवार सलाह जारी की। आंध्र प्रदेश के ऊपरी इलाकों में पिछले कई दिनों से जारी भारी बारिश के कारण गोदावरी नदी के जलस्तर में वृद्धि हो रही है। तेलंगाना के भद्राचलम में सोमवार सुबह गोदावरी नदी का जलस्तर 35.6 फुट, जबकि आंध्र प्रदेश के कुनावरम में 14.9 मीटर तक पहुंच गया। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, ''गोदावरी नदी में बाढ़ का पानी बढ़ रहा है। भद्राचलम में यह 35.6 फुट और कुनावरम में 14.9 मीटर तक पहुंच गया है।''

बुजुर्ग को 'डिजिटल अरेस्ट' कर 19 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी

गांधीनगर/भाषा। गांधीनगर के एक वरिष्ठ नागरिक को 'डिजिटल अरेस्ट' की धमकी देकर तीन महीनों में 19.24 करोड़ रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। यह राशि 30 अलग-अलग खातों में जमा करवाई गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। गांधीनगर के पुलिस अधीक्षक, सीआईडी (अपराध) धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि मामले में सूरत के 30 वर्षीय एक व्यापारी को गिरफ्तार किया है, जिसके बैंक खाते में ठगी की गई एक करोड़ रुपये की रकम स्थानांतरित की गई थी। पुलिस के अनुसार, पीड़ित (उम्र का खुलासा नहीं किया गया है) के साथ यह धोखाधड़ी मार्च महीने में शुरू हुई और यह करीब तीन महीने तक जारी रही।

29-07-2025 सूर्यास्त	30-07-2025 सूर्योदय
6:37 बजे	5:53 बजे

BSE	NSE
81,463.09	24,837.00
(-721.08)	(-225.10)

सोना	चांदी
10,284 रु.	127,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जाति की पाँति

कर्मों से बनी जातियां सब,
क्यों पैतृकता से है लगाव।
यदि कर्म बदल जाते हैं तो,
बदलेंगे संचित जड़ स्वभाव।
केवल हित रक्षण खातिर ही,
करते जाते हम भेदभाव।
कैसे होगा फिर खत्म कभी,
यह जाति व्यवस्था का दबाव।।

ऑपरेशन सिंदूर विषय पर लोकसभा में चर्चा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका के साथ व्यापार पर कोई चर्चा नहीं हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका से बातचीत में किसी भी स्तर पर व्यापार के विषय का कोई लेनादेना नहीं था और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 22 अप्रैल से 17 जून तक कोई बातचीत नहीं हुई।

ऑपरेशन सिंदूर विषय पर लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए जयशंकर ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि इस दौरान अमेरिका से बातचीत में व्यापार से जुड़ा कोई मुद्दा नहीं आया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संघर्ष रुकवाने के दावों को लेकर विपक्ष के सवालों पर जयशंकर ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच 22 अप्रैल से 17 जून के बीच कोई सीधा संवाद नहीं हुआ।'' उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल को ट्रंप ने पहलगाम हमले के बाद मोदी से बात की थी और 17 जून को मोदी की कनाडा यात्रा के दौरान दोनों की फोन पर बात हुई थी।

193 में से सिर्फ 4 देशों ने किया विरोध

पहलगाम हमले के बाद भारत को विदेश से समर्थन नहीं मिलने के विपक्ष के दावों को खारिज करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्यों में से पाकिस्तान और तीन अन्य देशों को छोड़कर सभी ने ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन किया था।

विदेश मंत्री ने सदन में कहा, ''पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश देना जरूरी था। हमारी सीमाएं लांघी गईं तो यह संदेश देना जरूरी था कि परिणाम अच्छे नहीं होंगे।''

उन्होंने हमले के बाद सिंधु जल संधि को स्थगित करने और अटारी सीमा बंद करने जैसे कूटनीतिक निर्णयों का जिक्र करते हुए कहा कि इन शुरुआती कदमों के बाद भारत का जवाब रुका नहीं। उन्होंने कहा कि भारत ने वैश्विक विमर्श और कूटनीतिक माहौल बनाकर यह स्पष्ट संदेश दिया कि उसकी ''आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने'' की नीति है और वह अपने लोगों की रक्षा करेगा।

जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का सदस्य होने के नाते उस मंच पर इस संबंध में समर्थन पाना भारत के लिए कठिन था, लेकिन सुरक्षा परिषद के 25 अप्रैल के बयान को देखें तो इसमें कड़े से कड़े शब्दों में पहलगाम हमले की निंदा की गई। उन्होंने कहा, ''संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से पाकिस्तान को छोड़कर केवल तीन ने ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया।''

विदेश मंत्री ने कहा कि इस दौरान देश ने कोई बाहरी मध्यस्थता स्वीकार नहीं की और परमाणु ब्लैकमेलिंग के आगे नहीं झुका। उन्होंने कहा कि 'क्वाड' और 'ब्रिक्स' जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की गई।

■ अमित शाह ने विपक्ष पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वे विदेश मंत्री पर नहीं, बल्कि विदेशी बयानों पर भरोसा करते हैं।

जयशंकर ने कहा कि अमेरिका ने गत 17 जुलाई को 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया, जिसने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी। उन्होंने कहा कि 26-11 के मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण की पृष्ठभूमि में यह फैसला आया। उन्होंने विपक्ष के कुछ सवालों का जवाब देते हुए कहा, ''यह हमारी कूटनीति की सफलता है। हमारे कठोर कदमों की झलक दूसरे देशों में भी दिखी और फ्रांस, जर्मनी तथा यूरोपीय संघ ने आतंकवाद के खिलाफ रुख अपनाया।''

पाकिस्तान को हमारे सशस्त्र बलों ने जवाब दिया

विदेश मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वादे के अनुसार हमारे सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान को जवाब दिया और उसके हमलों को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि इसे प्रमाणित करने के लिए उपग्रह की तस्वीरें उपलब्ध हैं।

जयशंकर ने कहा, ''10 मई को कई फोन कॉल आए और बताया गया कि पाकिस्तान संघर्ष विराम को तैयार है। हमने कहा कि डीजीएमओ के माध्यम से पाकिस्तान से यह अनुरोध आना चाहिए।''

श्रीनगर में सेना के साथ मुठभेड़ में

पहलगाम हमले का कथित मास्टरमाइंड मारा गया

मुठभेड़ में उसके दो साथियों को भी मार गिराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के बाहरी इलाके के जंगलों में सेना के शीर्ष पैरा कमांडो ने सोमवार को पहलगाम आतंकवादी हमले के कथित मास्टरमाइंड और उसके दो साथियों को मार गिराया, जिसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि 22 अप्रैल के पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड माना जा रहा सुलेमान उर्फ आसिफ सोमवार को उस समय मारा गया, जब सुरक्षा बलों ने एक तकनीकी संकेत मिलने के बाद अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि यह तकनीकी संकेत एक ऐसे सैटेलाइट फोन के इस्तेमाल का इशारा कर रहा था, जिसका उपयोग पहलगाम हमले के दोषियों ने भी किया था। अधिकारियों के मुताबिक, सेना की कार्रवाई में मारे गए अन्य आतंकवादियों की पहचान जिब्रान (जो पिछले साल सोनमर्ग सुरंग हमले में कथित रूप से शामिल था) और हमजा अफगानी के रूप में हुई है। इस अभियान का कोडनाम 'ऑपरेशन महादेव' था।

■ इस अभियान का कोडनाम 'ऑपरेशन महादेव' था।

आतंकवादियों के एक सहयोगी को पकड़ा

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने सोमवार को आतंकवादियों के एक सहयोगी को गिरफ्तार किया तथा उसके पास से हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी मिलने के बाद उत्तरी कश्मीर के क्रालपोरा के चौकीबल इलाके के मरसरी गांव में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया।

हिंदू धर्म का सार सभी को गले लगाने में निहित है : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि ''कट्टर हिंदू होने का मतलब दूसरों का विरोध करना नहीं है'' और हिंदू धर्म का सार सभी को गले लगाने में निहित है।

आरएसएस से जुड़े 'शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास' की ओर से आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन 'ज्ञान सभा' में बोलते हुए भागवत ने मजबूत धार्मिक पहचान के बारे में एक 'आम गलतफहमी' को दूर करने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया, ''अक्सर यह गलतफहमी होती है कि कट्टर हिंदू होने का मतलब दूसरों को गाली देना है। ऐसी गलतफहमी हो सकती है।''

भागवत ने कहा, ''सच्चा हिंदू होने का मतलब किसी का विरोध करना नहीं है, न ही इसका मतलब यह है कि हमें यह कहकर जवाब देना होगा कि हम हिंदू नहीं हैं। हम हिंदू हैं, लेकिन हिंदू होने का सार सभी को गले लगाना है।'' उन्होंने कहा, ''जो कोई हिंदुओं को एकजुट करना चाहता है, उसे इस सार का ध्यान रखने की जरूरत है।''

लोकसभा में मसूद अजहर को 'साहब' बोल बैठे ललन सिंह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह सोमवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कुख्यात आतंकवादी मसूद अजहर को 'साहब' संबोधित कर बैठे। सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए उनकी जुबान फिसल गयी। बिहार के मुंगेर से लोकसभा सदस्य ने कहा, ''छह और सात मई की मध्यरात्रि को हमारी सेना ने पााकिस्तान में नौ आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया। उसमें सैकड़ों आतंकवादी मारे गए..आप सबने टीवी पर देखा होगा, बहुत से लोग जो आतंकवादियों के आका थे, वो रो रहे थे।'' सिंह ने कहा, ''मसूद अजहर साहब, हाफिज सईद, ये (सब) रो रहे थे कि मेरा सारा परिवार मर गया, काश मैं भी मर जाता।'' केंद्रीय पंचायती राज मंत्री ने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए यह भी कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के शासनकाल में देश में आतंकवाद 'पनपा'। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आतंकवाद से लड़ने का ''आपमें न तो साहस था और न ही दम। आप केवल खानापूर्ति करते थे और घड़ियाली आंसू बहाते थे।''

'अगर मैं न होता, तो पाकिस्तान से युद्ध कर रहा होता भारत': ट्रंप का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक बार फिर दावा किया कि यदि उन्होंने समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया होता और सभी व्यापार वार्ता रोकने की धमकी नहीं दी होती, तो भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध छिड़ गया होता।

ट्रंप ने स्कॉटलैंड में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के साथ आधिकारिक वार्ता से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने दुनिया भर में छह बड़े युद्ध को रोकने में हस्तक्षेप किया, जिनमें भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध भी शामिल है।

वह गाजा में संघर्ष समाप्त करने के लिए इजराइल पर दबाव डालने के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

स्कॉटलैंड के साउथ आयरशायर स्थित अपने टर्नबेरी गोल्फ रिसॉर्ट से मीडिया को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, ''हमने कई युद्धविराम करवाए... अगर मैं नहीं होता, तो छह बड़े युद्ध चल रहे होते - भारत पाकिस्तान के साथ लड़ रहा होता।'' ट्रंप ने कहा, ''हमारे पास कई ऐसे तनावपूर्ण क्षेत्र हैं जो युद्ध की स्थिति में थे। मेरा मानना है कि एक बहुत बड़ा मामला भारत और पाकिस्तान का था क्योंकि आप दो परमाणु राष्ट्रों की बात कर रहे हैं। वह एक बहुत बड़ा मामला था।''

■ हो सकता है कि जब हम युद्ध को रोकना चाहते हैं, तब हम थोड़े स्वार्थी हों। लेकिन हमने कई युद्ध को रोका और यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है।

ट्रंप शुक्रवार से स्कॉटलैंड की निजी यात्रा पर हैं। ट्रंप ने कहा, मैं पाकिस्तान और भारत दोनों देशों के नेताओं को जानता हूं और बहुत अच्छी तरह जानता हूं। वे एक व्यापार समझौते की प्रक्रिया में थे और उसी समय परमाणु हथियारों की बात कर रहे थे, यह बेतुका है।''

उन्होंने कहा, ''तो मैंने कहा, 'यदि आप युद्ध करेंगे तो मैं आप लोगों के साथ कोई व्यापार समझौता नहीं करूंगा' और वह ऐसा युद्ध होगा जो अन्य देशों तक फैल जाएगा। उसका परिणाम होता परमाणु प्रदूषण जो हम सभी को प्रभावित करता।''

ट्रंप ने कहा, ''जब वे परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करना शुरू कर देते, तो वह चीज (विकिरण) हर जगह फैलती और वह बहुत बुरी स्थिति होती। तो हो सकता है कि जब हम युद्ध को रोकना चाहते हैं, तब हम थोड़े स्वार्थी हों। लेकिन हमने कई युद्ध को रोका और यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है।''

'अंततः परिणाम मायने रखता है'

छोटे मुद्दों पर ध्यान देने से बड़े मुद्दों से भटक जाते हैं : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ रक्षा मंत्री ने विपक्ष पर प्रहार करते हुए कहा कि उन्होंने एक बार भी हमसे यह नहीं पूछा कि हमारी सेनाओं ने दुश्मन के कितने विमान मार गिराए? यदि उन्हें प्रश्न पूछना ही है तो यह पूछना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया, तो उसका उत्तर है 'हां'।

नई दिल्ली/भाषा। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सवाल उठाने वाले विपक्ष के नेताओं को निशाने पर लेते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि इस अभियान में भारत के कितने विमान गिरे, यह पूछने के बजाय यह पूछना चाहिए कि देश की सेनाओं ने दुश्मन के कितने विमान गिराये और सुझाव दिया कि अभियान की सफलता पर बात की जानी चाहिए।

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, ''विपक्ष के लोग पूछते रहे हैं कि हमारे कितने विमान गिरे। मुझे लगता है कि उनका यह प्रश्न हमारी राष्ट्रीय जनभावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता।''

रक्षा मंत्री ने कहा कि उन्होंने एक बार भी हमसे यह नहीं पूछा कि हमारी सेनाओं ने दुश्मन के कितने विमान मार गिराए? यदि उन्हें प्रश्न पूछना ही है तो यह पूछना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया, तो उसका उत्तर है 'हां'। उन्होंने कहा, ''मैं विपक्ष से पूछना चाहता हूं कि आपको प्रश्न पूछना है तो यह पूछिए कि क्या ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा तो उसका उत्तर है 'हां'। आपको प्रश्न पूछना है तो यह प्रश्न पूछिए कि जिन आतंकियों ने हमारी बहनों, हमारी बेटियों का सिंदूर मिटाया, क्या हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर में उन आतंकियों के आकाओं को मिटाया तो इसका उत्तर है 'हां'।'' सिंह ने कहा, ''आपको प्रश्न पूछना है तो यह पूछिए कि क्या जांबाज सैनिकों को कोई क्षति हुई है तो उत्तर है 'नहीं'। हमारे सैनिकों की कोई क्षति नहीं हुई।'' उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए और यह संख्या अधिक भी हो सकती है।

सिंह ने कहा कि जब लक्ष्य बड़े हों तो अपेक्षाकृत छोटे मुद्दों पर हमारा ध्यान नहीं जाना चाहिए, क्योंकि छोटे मुद्दों पर ही ध्यान देते रहने से देश की सुरक्षा और सैनिकों के सम्मान और उत्साह जैसे बड़े मुद्दों से ध्यान हट सकता है जैसा कि विपक्ष के कुछ साथियों के साथ हो रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा, ''किसी भी परीक्षा के बाद परिणाम मायने रखता है। किसी परीक्षा में कोई बच्चा अच्छे अंक लेकर आ रहा है तो हमारे लिए उसके अंक मायने रखने चाहिए।

छात्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है एनईपी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव हुए हैं और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करके छात्रों के समग्र और बहुआयामी विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

मोदी ने एनईपी के पांच साल पूरे होने पर एक संदेश में कहा कि शिक्षा मंत्रालय मंगलवार को अखिल भारतीय शिक्षा समागम (एबीएसएस) का आयोजन कर रहा है और कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल शुरू की जाएंगी।

उन्होंने कहा, ''शिक्षा वह माध्यम है, जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर और राष्ट्र को सशक्त बनाती है। हमारा उद्देश्य ऐसी शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना है, जिसमें विद्यार्थी अपनी रुचि, क्षमता और सपनों के अनुरूप आगे बढ़ सकें। आज देश गौरवशाली भारतीय संस्कृति से जुड़ी शिक्षा को तकनीक और वैश्विक मानकों से सुसज्जित कर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।''

मोदी ने कहा, ''पिछले पांच वर्षों के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव हुए हैं। चाहे वह मातृभाषा में शिक्षा हो, स्कूली शिक्षा को मजबूत करना हो या कौशल आधारित शिक्षा पर विशेष जोर देना हो, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करके छात्रों के समग्र और बहुआयामी विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत काल में भारत एक भव्य और विकसित देश के निर्माण की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''इस दौरान हमारे युवाओं के आत्मविश्वास, जिज्ञासा और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। शिक्षा समागम हमारे साझा संकल्प और सहयोग की भावना का प्रतीक है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि यह आयोजन न केवल शैक्षणिक संस्थानों को अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं, रणनीतियों और उपलब्धियों को साझा करने का अवसर प्रदान करेगा, बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए निरंतर प्रयासों को भी और सशक्त करेगा।''

रासायनिक हथियारों का असर

वियतनामी सैनिकों के शौर्य की गाथा और युद्ध की भयावहता की कहानी कहता हो ची मिन्ह स्थित युद्ध अवशेष संग्रहालय

संग्रहालय देखकर मन द्रवित व व्यथित तो होता है लेकिन सैन्य साहस व शौर्य का स्मरण भी होता है

श्रीकांत पाराशर
dakshinbharat.com

दक्षिण पूर्व एशियाई देश वियतनाम के दो युद्ध वहाँ के इतिहास में हमेशा के लिए अंकित हो गए जिनमें फ्रांस व चीनी उपनिवेश के खिलाफ वर्ष 1946 से 1954 तक लड़ा जाने वाला इंडो–चाइना वार तथा वर्ष 1955 से 1975 तक लड़ा गया अमेरिकन युद्ध शामिल है। वियतनाम के सबसे बड़े शहर हो ची मिन्ह शहर में स्थित युद्ध अवशेष संग्रहालय (जो वार मेमोरियल के नाम से प्रसिद्ध है) में इन वियतनाम युद्धों के दुखद किंतु वियतनामी सैनिकों के वीरतापूर्ण इतिहास की झलक मिलती है। अमेरिका के मुक़ाबले अत्यंत कम साधन संपन्न एक छोटे से देश वियतनाम ने जिस साहस और शौर्य से युद्ध लड़ा और अमेरिकी सैनिकों के छक्के छुड़ाए, उन्हें पराजित किया उस वीरता की कहानी यहां वार मेमोरियल में प्रदर्शित अनगिनत चित्र व दस्तावेज़ मानो स्वयं बखान करते हैं। यह स्थल शहर के लगभग मध्य में ही स्थित है। वियतनाम के इतिहास को गहराई से जानने के इच्छुक लोगों के लिए यह विशेष रुचिकर स्थान है।

यह संग्रहालय वर्ष 1975 में शुरू किया गया।यहाँ प्रवेश करते ही परिसर में विभिन्न सैन्य उपकरण जैसे टैंक, विमान, हेलीकॉप्टर, मिसाइल्स आदि रखे हुए हैं जो उस दौर की तकनीकी क्षमता को प्रदर्शित करते हैं और साथ ही वियतनामी सैनिकों की बहादुरी को भी दर्शाते हैं क्योंकि यहां युद्ध के दौरान वियतनामी सेना द्वारा उपयोग में लाए गए विमान व उपकरण आदि हैं तो साथ ही इनमें से अनेक अवशेष युद्ध के दौरान वियतनामी सैनिकों द्वारा अमेरिकी सैनिकों को परास्त कर उनसे हथियाये गए उपकरणों के हैं। वार मेमोरियल दो तल वाले भवन में स्थित है जहाँ प्रथम तल में युद्ध के दौरान अमेरिकी सैनिकों द्वारा वियतनामी जनता पर किए गए युद्ध अपराधों की विचलित कर देने वाली भयावह तस्वीरें हैं, पीड़ित ज़िंदा निर्दोष लोगों द्वारा दिए गए बयान हैं तथा कुछ विशिष्ट घटनाओं का दुर्लभ चित्रों के साथ विस्तृत विवरण दिया गया है, जो विशेष रूप से अमेरिकी सैनिकों की क्रूरता की कहानी कहते हैं। दूसरे तल में, किसी भी युद्ध के बाद देश किस बर्बादी के हालात में पहुंच जाता है, युद्ध के परिणाम कितने भयावह होते हैं उन दृश्यों को वास्तविक चित्रों के साथ प्रदर्शित किया गया है। इन हृदय विदारक दृश्यों को देखकर कठोर से कठोर पत्थर दिल इंसान की भी आँखें नम हुए बिना नहीं रह सकती।

> **वार मेमोरियल वियतनामी सैनिकों के शौर्य व साहस को तो दर्शाता ही है लेकिन युद्ध की क्रूर वास्तविकता को प्रदर्शित करते दस्तावेज़ चीख चीखकर कहते दिखाई देते हैं कि युद्ध कैसा भी हो, उसके परिणाम मानवता के लिए अनुकूल कभी नहीं होते। वियतनाम पर अमेरिका ने जिन एजेंट ओरेंज नामक रासायनिक हथियारों का उपयोग किया उनसे पीढ़गत जन्मजात शारीरिक विकृतियां व विरूपता ने अपना भयावह चेहरा दिखाया जिसे देखकर आम व्यक्ति व्यथित हुए बिना नहीं रह सकता।**

वियतनाम ने फांसिसीयों को भी देश से खदेड़ने के लिए युद्ध लड़ा था, अपनी बहादुरी के बल पर चीनियों को भी पैर नहीं जमाने दिए थे, इंडो चाइना वार इसका प्रमाण है। यहां वार मेमोरियल में चीन व फ्रांस के औपनिवेशिक दौर के भी सभी दस्तावेज मौजूद हैं। अधिक विचलित करने वाली तस्वीरें अमेरिका–वियतनाम युद्ध की हैं जिनमें अमेरिकी सैनिकों की क्रूरता और निर्दोष जन सामान्य पर की गई निर्ममता को दर्शाने वाली तस्वीरें ज़्यादा हैं। यहां तस्वीरों के साथ वियतनामी व अंग्रेजी भाषा में कैप्शन लिखे गए हैं ताकि बाहर के पर्यटकों को भी समझने में सहूलियत हो।

यहां यह बताना ज़रूरी है कि वार मेमोरियल वियतनामी सैनिकों के शौर्य व साहस को तो दर्शाता ही है लेकिन युद्ध की क्रूर वास्तविकता को प्रदर्शित करते दस्तावेज़ चीख चीखकर कहते दिखाई देते हैं कि युद्ध कैसा भी हो, उसके परिणाम मानवता के लिए अनुकूल कभी नहीं होते। वियतनाम पर अमेरिका ने जिन एजेंट ओरेंज नामक रासायनिक हथियारों का उपयोग किया उनसे पीढ़गत जन्मजात शारीरिक विकृतियां व विरूपता ने अपना भयावह चेहरा दिखाया जिसे देखकर आम व्यक्ति व्यथित हुए बिना नहीं रह सकता और वह अमेरिका की निर्दयता की निंदा करता है। युद्ध के बाद उपजी चुनौतियों से निपटना आसान नहीं था लेकिन वियतनाम की जनता ने भरपूर साहस और दृढ़ता के साथ हर चुनौती का सामना किया तथा देश के प्रति पूरी निष्ठा के साथ हर नागरिक ने सहयोग किया। उसी का परिणाम है कि आज यह देश विश्व में सबसे तेज गति से विकास की ओर बढने वाले देशों की पंक्ति में खड़ा है। वियतनाम पर जो अमेरिका ने युद्ध थोपा व युद्ध संबंधी क्रूर अपराध किए उनकी निंदा संयुक्त राष्ट्र सहित पूरे विश्व में हुई तथा वियतनाम के साथ अनेक बड़े देश भी खड़े दिखाई दिए।

हालाँकि वियतनाम ने अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी और उसमें सफलता भी हासिल की लेकिन इसकी क़ीमत भी उसे बहुत ज़्यादा चुकानी पड़ी। यहां प्रस्तुत दस्तावेज इस बात की भी गवाही देते हैं कि स्वतंत्रता के लिए संघर्ष तो करना पड़ता है लेकिन युद्ध हमेशा लड़ते रहना शांति और विकास में बड़ी बाधा है, इसलिए यहां वार मेमोरियल में शांति और सुलह के दस्तावेज भी मौजूद हैं। वियतनाम ने भी एकीकरण के बाद तेजी से विकास किया और निरंतर तेज गति से विकास पथ पर अग्रसर है, इसका कारण यहां शांति स्थापित हो जाना है। पर्यटक यहां से गहन चिंतन व पीड़ादायक मार्मिक अहसास लेकर निकलते हैं। यह संग्रहालय प्रातः 7.30 से सायं 6 बजे (वियतनामी समय) तक खुला रहता है। यहां वयस्क के लिए 40 हजार वियतनामी डोंग तथा 6 वर्ष से 15 वर्ष तक के बच्चों के लिए 20 हजार डोंग प्रवेश शुल्क है। भारत के एक रुपए के बदले लगभग 322 डोंग मिलते हैं।

कर्नाटक के पर्यटकों के लिए अब वियतनाम जाने के लिए बहुत बड़ी सुविधा हो गई है। वियतनाम की सबसे बड़ी निजी विमानन कंपनी वियतजेट एयरलाइंस की बेंगलूरु से सप्ताह में कुल चार उड़ानें सीधी वियतनाम के हो ची मिन्ह शहर के लिए उपलब्ध हैं और इस शहर के नज़दीक ही बहुत सारे पर्यटन स्थल हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था वृद्धि की राह पर, कर्ज वृद्धि में नरमी चिंता का विषय: वित्त मंत्रालय रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर रुख के साथ वृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। हालांकि, कर्ज वृद्धि में सुस्ती जरूर चिंता का विषय है। मंत्रालय ने अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा कि वित्त वर्ष 2025–26 की पहली तिमाही में घरेलू आपूर्ति और मांग की बुनियाद मजबूत दिखाई दे रहे हैं। मुद्रास्फीति लक्ष्य के दायरे में रहने और मानसून में अच्छी प्रगति के साथ घरेलू अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत मजबूती के साथ वित्त वर्ष 2025–26 की दूसरी तिमाही में प्रवेश की है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर तनाव और नहीं बढ़ा है, लेकिन वैश्विक नरमी, विशेष रूप से अमेरिका में कमजोर आर्थिक वृद्धि दर भारतीय निर्यात की मांग को और कम कर सकती है। अमेरिकी की आर्थिक वृद्धि दर 2025 की पहली तिमाही में 0.5 प्रतिशत घटी है।

उत्तराखंड के 550 सरकारी स्कूलों को गोद लेंगे उद्योगपति

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के करीब 550 सरकारी विद्यालयों को कॉरपोरेट समूह गोद लेकर उन्हें साधन संपन्न बनायेंगे जिसके लिए 30 जुलाई को समझौता–ज्ञापनों (एमओयू) पर दस्तखत किए जाएंगे। प्रदेश के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने सोमवार को यहां बताया कि इस संबंध में राज्य सरकार ने विभिन्न उद्योग समूहों से वार्ता कर पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है। उन्होंने बताया कि बुधवार को उत्तराखंड राजभवन में एक वृहद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसके लिए राज्य के 550 से अधिक उद्योगपतियों को आमंत्रित किया गया है। मंत्री ने बताया कि इस दौरान राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मौजूदगी में कॉरपोरेट समूहों व शिक्षा विभाग के बीच राज्य के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों को गोद लेने को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर किये जायेंगे। डॉ रावत ने बताया कि प्रदेश में उद्योग जगत के साथ मिलकर शुरू की जा रही इस नई पहल से जुड़ने वाले अधिकतर विद्यालय पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित हैं जिससे विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच स्थित इन विद्यालयों में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व फंड (सीएसआर) से बुनियादी ढांचे के साथ–साथ मॉडल क्लास रूम, कम्प्यूटर लैब, विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय, फर्नीचर, शौचालय, खेल सामग्री, खेल मैदान व चाहरदीवारी आदि सुविधाएं विकसित की जा सकेंगी ।

दूसरे राज्यों में भी परिचालन का विस्तार कर सकेंगे शहरी सहकारी बैंक, आरबीआई का प्रस्ताव

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के परिचालन के विस्तार से जुड़े मानदंडों को सरल बनाने का प्रस्ताव किया। आरबीआई ने प्रस्ताव किया है कि बड़े शहरी सहकारी बैंक (टियर तीन और टियर चार में आने वाले) जो परिचालन मंजूरी पात्रता मानदंड (ईसीबीए) का अनुपालन करते हैं और जिनकी न्यूनतम नेटवर्थ 50 करोड़ रुपए है, वे पंजीकरण वाले राज्य से परे अपने परिचालन क्षेत्र का विस्तार कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए रिजर्व बैंक की पूर्व मंजूरी जरूरी होगी।

सहकारी बैंकों के लिए परिचालन मंजूरी (निर्देश), 2025 के मसौदा प्रारूप में कहा गया है कि यूसीबी को एक वित्त वर्ष में अधिकतम दो राज्यों तक अपने परिचालन क्षेत्र का विस्तार करने की अनुमति होगी। लेकिन इसके लिए शर्त है कि प्रत्येक प्रस्तावित राज्य में कम–से–कम पांच शाखाएं खोलने के लिए जरूरी पूंजी उपलब्ध हो।

टीसीएस की छंटनी महज शुरुआत, दूसरी कंपनियों पर भी एआई की मार संभव : विश्लेषक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की अग्रणी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा के बीच विश्लेषकों को कृत्रिम मेधा (एआई) और स्वचालन के बढ़ते प्रभाव के कारण आने वाले समय में ऐसी और मामले आने की आशंका सताने लगी है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने 6.13 लाख कर्मचारियों की कुल संख्या में दो प्रतिशत यानी 12,000 से अधिक की छंटनी करने की घोषणा की है। इस कदम का सबसे ज्यादा असर मध्यम और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों पर पड़ने की आशंका है।

टीसीएस ने इस छंटनी को 'भविष्य के लिए तैयार संगठन' बनने की रणनीति का हिस्सा बताया है जिसमें प्रौद्योगिकी, एआई को अपनाने और कार्यबल के पुनर्गठन पर जोर दिया जा रहा है।

काउंटरपॉइंट रिसर्च के शोध निदेशक तरुण पाठक का कहना है कि टीसीएस का यह कदम व्यापक आर्थिक दबाव, ग्राहकों की बदलती अपेक्षाओं और उद्योग के अधिक चुस्त, परिणाम–आधारित मॉडल की तरफ रुख करने का नतीजा है। उन्होंने कहा कि भले ही टीसीएस ने इस छंटनी को एआई से प्रेरित नहीं बताया है, लेकिन यह ऐसे समय हो रही है जब स्वचालन और एआई को अपनाने से समूचे प्रौद्योगिकी टेक उद्योग में कार्यबल संबंधी निर्णयों पर बड़ा प्रभाव पड़ रहा है।

पाठक ने कहा, ''भारतीय आईटी सेवा कंपनियां अब अधिक कुशल और प्रदर्शन–केंद्रित कार्यबल मॉडल की ओर बढ़ रही हैं।''

टेकआर्क के मुख्य विश्लेषक और संस्थापक फैसल कावूसा ने कहा कि उद्यम अब आईटी सेवा कंपनियों से एआई का उपयोग करके कम में अधिक काम करने की उम्मीद कर रहे हैं।

राज्यपाल को यह कहना शोभा नहीं देता कि 'हिमाचल उड़ता पंजाब बन जाएगा': सुक्खू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य में मादक पदार्थों की समस्या पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला की हालिया टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए सोमवार को कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को इस तरह के बयान देना शोभा नहीं देता। राज्यपाल ने बृहस्पतिवार को राज्य में 'सरकारी पुनर्वास केंद्रों की कमी' पर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी और चेतावनी दी थी कि यदि मादक पदार्थ की बुराई को खत्म करने के लिए तत्काल कार्रवाई नहीं की गई, तो हिमाचल प्रदेश अगले पांच वर्षों में 'उड़ता पंजाब' बन जाएगा।

स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत मामलों की संख्या जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा था, ''कुल्लू में रेड क्रॉस द्वारा संचालित केवल एक पुनर्वास केंद्र है। हम सुन रहे हैं कि सिरमौर जिले में एक पुनर्वास केंद्र स्थापित करने के लिए भूखंड की पहचान की जा रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ भी नहीं हो रहा है।'' राज्यपाल ने कहा था कि राज्य में 2012 में एनडीपीएस अधिनियम के तहत तकरीबन 500 मामले आए थे, जो 2023 में 340 फीसदी बढ़कर तकरीबन 2200 हो गई।

सरकार जवाब देकर डोनाल्ड ट्रंप का मुंह बंद करवाए या 'मैकडोनाल्ड्स' बंद करवाए: दीपेंद्र हुड्डा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता संबंधी दावों पर सरकार को जवाब देकर उनका मुंह बंद करवाना चाहिए या फिर भारत में अमेरिकी ब्रांड 'मैकडोनाल्ड्स' को बंद करवाए क्योंकि ये दोनों साथ नहीं चल सकते। उन्होंने सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए दावा किया कि पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद कोई देश भारत के साथ खड़ा नहीं हुआ। हुड्डा ने कहा, '' 'ऑपरेशन सिंदूर' में हमारी सेना ने पराक्रम दिखाया और जब हम पाकिस्तान पर हावी थे, तो युद्धविराम कर दिया गया। देश चाहता था कि पाकिस्तान को वैसा जवाब दिया जाए, जैसा 1971 में इंदिरा गांधी जी ने दिया था। पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे।'' उन्होंने कहा, ''जब पाकिस्तान घुटनों पर था, तो आपसे पहले अमेरिका की ओर से किए ट्वीट ने युद्धविराम की घोषणा कर दी। ऐसे में आपको देश को बताना चाहिए कि युद्ध विराम की क्या शर्तें थीं?''

शीर्ष अदालत ने पूछा : 'आईआईटी खड़गपुर में क्या गड़बड़ है, छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं?'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को आईआईटी खड़गपुर और ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा विश्वविद्यालय में आत्महत्या की घटनाओं पर सवाल उठाये और दोनों मामलों में जांच ''तेजी से आगे बढ़ाने'' का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ शैक्षणिक संस्थानों में आत्महत्या से होने वाली मौतों के मामले की सुनवाई कर रही है। चौथे वर्ष के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र की आत्महत्या की घटना पर पीठ ने आईआईटी खड़गपुर के वकील से पूछा, ''आपके आईआईटी खड़गपुर में क्या गड़बड़ है? छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? क्या आपने इस समस्या पर विचार किया है? आपने क्या कदम उठाए हैं?'' जब शारदा विवि में एक छात्रा से जुड़ी इसी तरह की घटना भी पीठ के सामने आयी तो उसने आदेश दिया, ''दोनों घटनाओं की जांच कानून के अनुसार और सही दिशा में तेजी से आगे बढ़ाई जाए।'' न्यायमित्र के रूप में शीर्ष अदालत की सहायता कर रही वरिष्ठ अधिवक्ता अपर्णा भट ने पीठ को दोनों मामलों में जांच की स्थिति से अवगत कराया। शारदा विवि मामले पर 30 पृष्ठ की स्थिति रिपोर्ट का हवाला देते हुए भट ने कहा कि एक सुसाइड नोट मिला था, जिसमें दो व्यक्तियों के नाम थे और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। जब पीठ ने सवाल किया कि क्या शारदा विवि मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है, तो भट ने हां में जवाब दिया। पीठ ने पूछा, ''किसने दर्ज कराई?'' जब भट ने कहा कि मृत लड़की के पिता ने प्राथमिकी दर्ज करायी है, तो पीठ ने पूछा, ''पिता को कैसे पता चला कि उनकी बेटी ने आत्महत्या की है? पिता को किसने सूचित किया?'' अदालत ने विवि में हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर गौर किया, जिसमें एक युवती की मौत हो गई। पीठ ने शारदा विश्वविद्यालय के वकील से कहा, ''आप हमारे निर्देशों का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं? हमने एक पूर्ण निर्णय दिया है। हम यह अपने बच्चों के लिए, अपनी संतानों के लिए कर रहे हैं... क्या यह आपका कर्तव्य नहीं था कि आप तुरंत पुलिस को सूचित करें, माता–पिता को सूचित करें?''

युद्ध की बात करना बंद कीजिए, पाकिस्तान से वार्ता का रास्ता अपनाइए : महबूबा ने केंद्र से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को कहा कि अगर भारत को आगे बढ़ना है और समृद्ध होना है, तो उसे युद्ध की बात करना बंद कर देना चाहिए तथा वार्ता एवं सुलह का रास्ता अपनाना चाहिए।

पीडीपी के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर यहां शेर–ए–कश्मीर पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में मुफ्ती ने कहा कि जम्मू–कश्मीर के लोग सम्मान के साथ शांति चाहते हैं और जब पाकिस्तान की बात आएगी, तो वे देश की विदेश नीति में ''हस्तक्षेप'' करेंगे। उन्होंने केंद्र से अपील की कि वह जम्मू–कश्मीर के लोगों की बात को 'अपने दिल से' देखे और उनकी सुने तथा जब तक वह ऐसा नहीं करेगा, भारत–पाकिस्तान मुद्दा हल नहीं होगा। पीडीपी प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, ''मैं भारत सरकार से कहना चाहती हूं कि जम्मू–कश्मीर के लोग आपके दुश्मन नहीं हैं। हम सम्मान के साथ शांति चाहते हैं, हम दोस्ती के जरिये शांति चाहते हैं, न कि जंग।'' मुफ्ती ने सवाल किया, ''आपने दुनिया भर में प्रतिनिधिमंडल भेजकर इस बारे में बात की कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान क्या किया गया, पहलगाम में क्या हुआ और 'कश्मीर' में क्या हो रहा है। यह कश्मीर ही है, जिसने संघर्ष के दौरान कठिनाइयां झेलीं। इसलिए अगर कश्मीरी पाकिस्तान से बातचीत की मांग नहीं करेगा, तो और कौन करेगा?''

माइक्रोसॉफ्ट ने नायरा की सेवाएं निलंबित कीं, भारतीय रिफाइनरी ने किया मुकदमा

नई दिल्ली/भाषा। माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन ने यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के बाद रूस की पेट्रोलियम कंपनी रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी को सेवाएं देना बंद कर दिया है। इस पर भारतीय रिफाइनरी नायरा एनर्जी ने दिल्ली उच्च न्यायालय में माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ मुकदमा किया है।

कंपनी ने बयान में कहा, ''नायरा एनर्जी ने महत्वपूर्ण सेवाओं के अचानक और एकतरफा निलंबन के बाद माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। माइक्रोसॉफ्ट नायरा एनर्जी की अपने डेटा, मालिकाना उपकरणों और उत्पादों तक पहुंच को रोक रही है, जबकि ये पूरी तरह से भुगतान किए गए लाइसेंस के तहत हासिल किए गए हैं।'' यूरोपीय संघ ने इस महीने की शुरुआत में यूक्रेन के साथ युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ नए उपायों के तहत नायरा पर प्रतिबंध लगाए थे। रोसनेफ्ट की नायरा एनर्जी लिमिटेड, जिसे पहले एस्सार ऑयल लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, में 49.13 प्रतिशत हिस्सेदारी है। नायरा गुजरात के वडिनार में दो करोड़ टन सालाना क्षमता वाली एक तेल रिफाइनरी और 6,750 से ज्यादा पेट्रोल पंप का संचालन करती है। नायरा ने कहा, ''माइक्रोसॉफ्ट का यह फैसला यूरोपीय संघ (ईयू) के प्रतिबंधों की एकतरफा व्याख्या पर आधारित है, और कॉरपोरेट अतिक्रमण के लिए एक खतरनाक मिसाल कायम करता है। भारत के ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र पर इसके प्रभावों को लेकर गंभीर चिंताएं भी पैदा होती हैं।'' कंपनी ने कहा कि उसने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर अपने अधिकारों की रक्षा और आवश्यक डिजिटल बुनियादी ढांचे तक लगातार पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अंतरिम राहत देने और सेवाएं फिर से शुरू करने की मांग की है।

कैथोलिक चर्च ने दो नन की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा की तीखी आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल में कैथोलिक चर्च ने छत्तीसगढ़ में राज्य की दो नन की हालिया गिरफ्तारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और संघ परिवार की सोमवार को तीखी आलोचना की और आरोप लगाया कि सिर्फ नन को ही नहीं, बल्कि देश के धर्मनिरपेक्ष संविधान को ही बंधक बना लिया गया है।

चर्च ने अपने मुखपत्र दीपिका डेली' में प्रकाशित एक संपादकीय में कहा कि देश को हिंदुत्व राष्ट्र के तौर पर परिभाषित किया जा रहा है और यह सब केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शह से हो रहा है। संपादकीय में कहा गया है, ''इसे रोकने वाला कोई नहीं है।'' लेख में कहा गया है, ''जो देश स्थापित किया जा रहा है, वह न्याय, निष्पक्षता या संवैधानिक मूल्यों से संचालित नहीं है, बल्कि यह भाजपा सरकार के आशीर्वाद से, पक्षपाती कानूनी ढांचे की सीमाओं में और अल्पसंख्यकों के नाम पर सौदेबाजी करने वाले संगठनों की मिलीभगत से तैयार हो रहा है।'' संपादकीय में कहा गया है, ''साम्प्रदायिक ताकतों ने सिर्फ दो नन को ही नहीं, बल्कि देश के धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक ढांचे को बंधक बना लिया है।'' चर्च द्वारा संचालित दैनिक अखबार के अनुसार, केरल को छोड़कर पूरे देश में अल्पसंख्यक समुदाय असुरक्षित महसूस करते हैं और अगर भाजपा चाहे तो सांप्रदायिकता को नियंत्रित कर सकती है। संपादकीय में भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा गया है, ''हिंदुओं, ईसाइयों और मुसलमानों समेत धर्मनिरपेक्ष समुदाय छत्तीसगढ़ और ओडिशा में नन को आरोप पत्र जारी किए जाने जबकि केरल में प्रशंसा पत्र जारी करने के पीछे की राजनीति से अच्छी तरह वाकिफ है।'' संपादकीय में आरोप लगाया गया है कि वैध दस्तावेजों के बावजूद छत्तीसगढ़ पुलिस ने सांप्रदायिक ताकतों के इशारे पर दो नन को गिरफ्तार किया और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस दक्षिणी राज्य में कांग्रेस ने भी छत्तीसगढ़ में पुलिस द्वारा दो कैथोलिक नन की कथित गिरफ्तारी पर भाजपा और संघ परिवार की तीखी आलोचना की। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी महासचिव केसी वेणुगोपाल और विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीसन ने रविवार को इसे भाजपा शासित राज्यों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमले का नवीनतम उदाहरण बताया। मीडिया में आयी खबरों के अनुसार, केरल की दो नन को हाल ही में दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं द्वारा मानव तस्करी और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप में छत्तीसगढ़ के एक रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया था।

तमिलनाडु में 2026 में द्रविड़ मॉडल '2.0 शासन' देखने को मिलेगा : द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने सोमवार को दावा किया कि लोगों को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर अटूट विश्वास है और 2026 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को बड़ी जीत मिलेगी, जिससे राज्य में द्रविड़ मॉडल 2.0 शासन कायम होगा।

द्रमुक के आधिकारिक मुखपत्र मुरासोली' में प्रकाशित एक लेख में तमिलनाडु में अगले साल मार्च-अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनावों के संबंध में मीडिया में किए जा रहे दावों, प्रतिदावों और अटकलों का जिक्र किया गया है।

लेख में कहा गया है कि मीडिया दूसरी तस्वीर पेश कर रहा है, लेकिन वास्तविकता यह है कि मुख्यमंत्री स्टालिन जन-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हैं।

इसमें कहा गया है कि ओरानियिल तमिलनाडु अभियान के तहत लोगों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया जा रहा है और इच्छुक व्यक्तियों को द्रमुक सदस्य के रूप में पंजीकृत किया जा रहा है।

लेख में 'उंगलुदन स्टालिन' कार्यक्रम के बारे में कहा गया है कि इस योजना का उद्देश्य सरकारी सेवाओं को लोगों तक पहुंचाना और उनके पड़ोस में विशेष शिविर आयोजित करके शिकायतों का निवारण करना है। लेख के अनुसार, मुख्यमंत्री खुद जिलों का दौरा कर रहे हैं, किसानों और स्वयंसेवी समूहों सहित लोगों से बातचीत कर रहे हैं, उनकी शिकायतें सुन रहे हैं और अधिकारियों को इनका समाधान करने के निर्देश दे रहे हैं। इसमें कहा गया है कि स्टालिन रोड शो जैसे उपायों के जरिये भी लोगों से संपर्क कर रहे हैं और वह पार्टी मुख्यालय में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से 'उड़नपिराप्पे वा' नारे के साथ मिल रहे हैं तथा उनका मार्गदर्शन कर रहे हैं।

लेख के मुताबिक, कुल मिलाकर ऐसे उपायों के कारण हर परिवार में शांति देखी जा रही है और प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हो रही है। इसमें कहा गया है कि लोगों को मुख्यमंत्री स्टालिन और द्रमुक पर अटूट विश्वास है और मीडिया में किए जा रहे दावों, प्रतिदावों और अटकलों के बावजूद 2026 के विधानसभा चुनावों में पार्टी को बड़ी जीत मिलेगी, जिससे यहां 'द्रविड़ मॉडल 2.0 शासन' कायम होगा। लेख में कहा गया है कि द्रविड़ मॉडल 2.0 शासन का नेतृत्व स्टालिन करेंगे। यह लेख द्रमुक की साहित्यिक शाखा के उप सचिव सौम्यन वैथियानाथन ने लिखा है।

नवजात की पांचों उंगलियां काटने का मामला, अस्पताल, डॉक्टर जिम्मेदार, देंगे मुआवजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई उत्तर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने यहां एक अस्पताल और डॉक्टर को गैंग्रीन के कारण नवजात शिशु की पांचों उंगलियां काटे जाने के मामले में 10 लाख रुपये का मुआवजा देने के अलावा इलाज पर खर्च हुए 23.65 लाख रुपये की भरपायी करने का आदेश दिया है। आयोग ने हाल में अपने फैसले में शहर के अस्पताल और स्त्री रोग विशेषज्ञ को लापरवाही का दोषी माना और उन्हें कुल मुआवजा राशि के साथ ही मुकदमे की लागत के रूप में 10,000 रुपये देने का भी निर्देश दिया।

आयोग ने कहा कि अस्पताल और डॉक्टर इस प्रक्रिया की आपातकालीन प्रकृति को उचित ठहराने या यह समझाने में विफल रहे कि इस प्रक्रिया के लिए आवश्यक सहमति को नजरअंदाज क्यों किया गया। ऐसी जानकारी है कि 'सवाईकल पेसेरी' प्रक्रिया के कारण बच्चे का समय पूर्व जन्म हुआ। इस प्रक्रिया के तहत 'सिलिकॉन रिंग' को योनि में डाला जाता है ताकि गर्भाशय ग्रीवा को सहारा मिल सके, लेकिन इस प्रक्रिया के लिए सहमति नहीं ली गयी। इस प्रक्रिया के कारण बच्चे को गैंग्रीन हो गया और आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया बिना किसी परीक्षण या आपातकालीन आवश्यकता के की गयी। इसके कारण 24 सप्ताह की गर्भवती महिला का समय पूर्व प्रसव कराना पड़ा।

बच्चे की मां का इसी अस्पताल में उपचार चल रहा था और जब यह प्रक्रिया की गयी तो वह 22 सप्ताह की गर्भवती थी। आयोग ने कहा कि प्रसव के बाद नवजात को गहन चिकित्सा इकाई में ले जाया गया, जहां उसमें गैंग्रीन के शुरुआती लक्षण दिखायी दिए। इसके कारण उसके दाहिने हाथ की सभी पांचों उंगलियां काटनी पड़ीं।

इलैयाराजा के कॉपीराइट मामले को मुंबई उच्च न्यायालय से मद्रास स्थानांतरित करने संबंधी याचिका खारिज

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने संगीतकार इलैयाराजा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपनी 500 से अधिक रचनाओं से संबंधित कॉपीराइट मामले को मुंबई उच्च न्यायालय से मद्रास उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किए जाने का अनुरोध किया था।

प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ संगीतकार की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन की इस दलील से सहमत नहीं हुई कि कॉपीराइट से संबंधित उनके मामले को मद्रास उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

'सोनी म्यूजिक एंटरटेनमेंट' कंपनी की ओर से पेश वकील ने सुनवाई की शुरुआत में पीठ से कहा कि कंपनी ने मुंबई उच्च न्यायालय में तब मामला दायर किया था जब मद्रास उच्च न्यायालय में कोई मामला लंबित नहीं था। इसके बाद पीठ ने कहा, याचिका खारिज की जाती है।

यह कानूनी मामला वर्ष 2022 में तब शुरू हुआ था जब सोनी म्यूज़िक एंटरटेनमेंट इंडिया' कंपनी ने मुंबई उच्च न्यायालय में एक मुकदमा दायर किया था। सोनी ने अदालत से अनुरोध किया था कि वह इलैयाराजा म्यूज़िक एन मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड (आईएमएमपीएल) को उनकी 536 संगीत रचनाओं के उपयोग से रोकने के लिए आदेश दें।

पृथ्वी अवलोकन उपग्रह 'निसार' 30 जुलाई को प्रक्षेपित किया जाएगा : इसरो अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पृथ्वी का अवलोकन करने वाले उपग्रह नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार' (निसार) को जीएसएलवी-एस16 रॉकेट के माध्यम से 30 जुलाई को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने यह जानकारी दी। 'निसार' का वजन 2,392 किलोग्राम है। यह पृथ्वी का अवलोकन करने वाला उपग्रह है। यह ऐसा पहला उपग्रह है, जो दोहरे आवृत्ति सिंथेटिक अपर्चर रडार (नासा का एल-बैंड और इसरो का एस-बैंड) के साथ पृथ्वी का निरीक्षण करेगा।

अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, ऐसा पहली बार होगा जब यह उपग्रह स्वीप एसएआर' प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए 242 किलोमीटर के दायरे और उच्च स्थानिक विभेदन क्षमता के साथ पृथ्वी का निरीक्षण करेगा।

किसी तस्वीर के संबंध में उच्च स्थानिक विभेदन क्षमता का उपयोग होता है, जिसमें तस्वीर में बारीक से बारीक विवरण को साफ-साफ देखा जा सकता है। इस उपग्रह को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा।

इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा, ''इसरो और नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किए गए पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को 30 जुलाई को भारत में बने जीएसएलवी-एस16 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।'' उन्होंने रविवार रात यहां हवाई अड्डे पर संवाददाताओं को बताया, ''इस उपग्रह को 740 किलोमीटर की ऊंचाई पर प्रक्षेपित किया जाएगा। यह उपग्रह किसी भी मौसम में और दिन-रात 24 घंटे पृथ्वी की तस्वीरें ले सकता है। यह भूस्खलन का पता लगाने, आपदा प्रबंधन में मदद करने और जलवायु परिवर्तन की निगरानी करने में भी सक्षम है।''

नारायणन ने कहा, ''यह उपग्रह भारत, अमेरिका और पूरी दुनिया के लिए फायदेमंद होगा... यह पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों की निगरानी के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है।'' नारायणन ने भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान मिशन' के बारे में कहा कि इस साल दिसंबर में 'व्योममित्र' नाम के एक ह्यूमनॉइड (मानव जैसे रोबोट) को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

उन्होंने कहा कि यदि यह मिशन सफल होता है तो अगले साल दो मानवरहित मिशन भेजे जाएंगे। 'गगनयान मिशन' मार्च 2027 में भेजा जाएगा।

केरल के मंत्री बिंदु ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को 'ज्ञान सभा' में भाग लेने पर आड़े हाथों लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल की उच्च शिक्षा मंत्री आर. बिंदु ने सोमवार को कोच्चि में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध संस्था द्वारा आयोजित ज्ञान सभा' में राज्य के कुछ विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की भागीदारी की कड़ी आलोचना करते हुए इसे राज्य की प्रगतिशील शैक्षणिक विरासत के खिलाफ एक ''चिंताजनक कदम'' करार दिया।

एक तीखे बयान में मंत्री बिंदु ने संघ परिवार पर आधुनिक, समावेशी उच्च शिक्षा के प्रति बुनियादी रूप से विरोधी होने का आरोप लगाया और कहा कि विश्वविद्यालयों पर वैचारिक नियंत्रण स्थापित करने के प्रयासों का दृढ़ता से विरोध किया जाना चाहिए। मंत्री का यह बयान उस दिन आया, जब राज्य के चार विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने रविवार को कोच्चि में आयोजित एक राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन ज्ञान सभा' में हिस्सा लिया, जिसका उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने किया था। बताया जाता है कि, इनमें से एक कुलपति वामपंथी सरकार द्वारा नियुक्त हैं। 'ज्ञान सभा' का आयोजन शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने किया था।

बिंदु ने कहा, ''आज की दुनिया की जरूरतों के अनुरूप एक आधुनिक उच्च शिक्षा प्रणाली संघ परिवार के लिए असहनीय है। तथाकथित ज्ञान सभा' दरअसल उस व्यापक और प्रतिगामी प्रयास का हिस्सा है, जिसके माध्यम से केरल की ज्ञान-आधारित समाज व्यवस्था को ब्राह्मणवादी प्रभुत्व की ओर मोड़ने की कोशिश की जा रही है। इस एजेंडे को नजरअंदाज करना, इतिहास से मुंह मोड़ना है।'' उन्होंने 'ज्ञान सभा' में कुछ कुलपतियों की भागीदारी पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे इस अशिक्षा और ज्ञान-विरोधी अभियान को बढ़ावा मिलता है, जो शैक्षणिक स्वतंत्रता और स्वतंत्र चिंतन को दबाने की कोशिश है। बिंदु ने तीखे शब्दों में कहा, यह संघ के लिए गर्व की बात हो सकती है कि कुछ कुलपतियों का मन, जो ज्ञान सृजन के अगुवा माने जाते हैं, अब बौद्धिक विरोध के गढ़ में बदल गया है। लेकिन केरल के लिए यह शर्म की बात है। उन्होंने आगाह किया कि समावेशी शैक्षणिक संस्थानों को 'हिंदू राष्ट्र' के वैचारिक प्रशिक्षण केंद्रों में बदलने के प्रयास बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

बिंदु ने कहा, शैक्षणिक स्वतंत्रता और स्वतंत्र विचार को केसरिया खेमे से जोड़ने की भूमिका के लिए इन कुलपतियों को लंबे समय तक शिक्षाजगत के सामने शर्मिंदा होना पड़ेगा। मंत्री ने दावा किया कि केरल की युवा पीढ़ी और शिक्षाविद संघ परिवार के अज्ञान की सेना बनाने के खतरनाक भ्रम को उजागर करेंगे। उन्होंने कहा, सच्चे शिक्षकों द्वारा दिए गए वास्तविक ज्ञान से रोशन हुए केरल के लोग, अज्ञान के अंधकार को महिमामंडित करने वाली संघ परिवार की योजनाओं को इतिहास के कूड़ेदान में फेंक देंगे।

इकोलक्स का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में अभिनेत्री तेजस्वी मदीवाड़ा ने अपने पहले फ्लैगशिप 'इकोलक्स' का उद्घाटन किया प्रयोगशाला में विकसित हीरे के आभूषणों की विशेष दुकान में अतिथि गोल्डमेडल की निदेशक अंजू देवी, सेवा भारती की संयुक्त सचिव नागलक्षीमी पथी, फिक्की एफएलओ की सदस्य ललिता पथी, उपभोक्ता न्यायालय की मध्यस्थता सदस्य दारा करुणा, और डेटा विश्लेषक सौजन्या कंचेरला उपस्थित थी। इकोलक्स ज्वेलरी में हीरे और सोने के आभूषणों का विशाल संग्रह है जिसमें अंगूठियां, चूड़ियां, कंगन, हार और झुमके शामिल हैं।

तमिलनाडु पुलिस ने गांजा जब्त कर 11 लोगों को किया गिरफ्तार

चेन्नई। चेन्नई मेट्रोपॉलिटिन क्षेत्र के तांबरम शहर में मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई में एक व्यापक तलाशी अभियान के बाद 5000 से अधिक गांजा चॉकलेट' जब्त की गईं। इस मामले से संबंधित 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिसमें सात कॉलेज छात्र भी शामिल हैं। तांबरम पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस द्वारा बताया गया कि एक सहायक आयुक्त के नेतृत्व में लगभग 100 पुलिसकर्मियों ने एक साथ 5 अपार्टमेंट सहित 12 स्थानों पर तलाशी ली। तांबरम शहर पुलिस की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसमें 166 ग्राम गांजा, 5,250 गांजा 'चॉकलेट', अनधिकृत हुक्का केंद्रों से हुक्का संबंधित सामान, अवैध तंबाकू उत्पाद और गांजा बेचने में इस्तेमाल किये जा रहे 10 मोबाइल फोन जब्त किए गए, साथ ही 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

तांबरम शहर पुलिस आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र में चेन्नई के सभी उपनगरों पोथेरी, मरिमलाई नगर और कट्टनकुलतुर में पुलिस द्वारा 26 जुलाई, 2025 को तलाशी ली गई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए 11 लोगों में से % इंजीनियरिंग के छात्र हैं। उसने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मरिमलाई नगर पुलिस थाने में (स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 और सिगरेट एवं अन्य तंबाकू पदार्थ अधिनियम, 2003 के तहत) सात मामले दर्ज किए गए हैं। विशेष पुलिस दल खरीद के स्रोत, वितरण नेटवर्क और इसमें शामिल मादक पदार्थ तस्करी गिरोह की जांच जारी रखे हुए है। उसने कहा, ''इस नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त करने और क्षेत्र में मादक पदार्थ के खतरे को खत्म करने के लिए कड़े और निरंतर प्रयास जारी हैं।''

गुरुबाबू बलरामन ने दूरदर्शन केंद्र, चेन्नई में अतिरिक्त महानिदेशक (समाचार) का कार्यभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय सूचना सेवा के वरिष्ठ अधिकारी गुरुबाबू बलरामन ने 28 जुलाई को दूरदर्शन, चेन्नई के अतिरिक्त महानिदेशक (समाचार) का पदभार ग्रहण किया। इस पद पर नियुक्ति से पहले, वे निदेशक (समाचार) के पद पर कार्यरत थे।

गुरुबाबू ने प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी), चेन्नई में निदेशक (मीडिया एवं संचार) के रूप में कार्य किया है और उप प्रेस रजिस्ट्रार, भारतीय समाचार पत्र रजिस्ट्रार का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला है। गुरुबाबू ने 1995 में ऑल इंडिया रेडियो, चेन्नई में समाचार संपादक के रूप में अपना करियर शुरू किया। उन्होंने सूचना और प्रसारण मंत्रालय की कई मीडिया इकाइयों में प्रबंधकीय पदों पर तीन दशकों से अधिक समय तक सेवा की है। वह अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु और हिंदी सहित चार भाषाओं में पारंगत हैं। उन्हें संसद और विधानसभा की कार्यवाही, आम और विधानसभा चुनावों के अलावा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों को कवर करने का व्यापक अनुभव है।

चेन्नई सिटी नॉर्थ डिवीजन के डाकघरों में 2 अगस्त को कोई लेनदेन दिवस नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। डाक विभाग ने अगली पीढ़ी के एपीटी एप्लिकेशन के लॉन्च की घोषणा की है, जो डिजिटल उत्कृष्टता और राष्ट्र निर्माण की दिशा में उनकी यात्रा में एक बड़ी छलांग है। इस परिवर्तनकारी पहल के तहत, यह उन्नत प्रणाली 4 अगस्त को चेन्नई सिटी नॉर्थ डिवीजन के सभी डाकघरों में लागू की जाएगी। इस उन्नत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर निर्बाध और सुरक्षित संक्रमण सुनिश्चित करने के लिए, 2 अगस्त को एक नियोजित डाउनटाइम निर्धारित किया गया है। डाकघरों में कोई भी सार्वजनिक लेनदेन नहीं किया जाएगा। सेवाओं का यह अस्थायी निलंबन डेटा माइग्रेशन, सिस्टम सत्यापन और कॉन्फ़िगरेशन प्रक्रियाओं को सुगम बनाने के लिए आवश्यक है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि नई प्रणाली सुचारू और कुशलतापूर्वक क्रियान्वित हो।

एपीटी एप्लीकेशन को बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव, तीव्र सेवा वितरण और अधिक ग्राहक-अनुकूल इंटरफेस प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो स्मार्ट, कुशल और भविष्य के लिए तैयार डाक संचालन प्रदान करने के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डाक विभाग ने ग्राहकों से अनुरोध किया है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें और इस संक्षिप्त व्यवधान के दौरान धैर्य बनाए रखें।

डाक विभाग को हुई असुविधा के लिए गहरा खेद है और आश्वासन देता है कि ये कदम हर नागरिक को बेहतर, तेज़ और अधिक डिजिटल रूप से सशक्त सेवाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से उठाए जा रहे हैं।

कर्नाटक में यूरिया की कमी को लेकर 'गलत सूचना' फैला रही है भाजपा : सिद्दरामय्या

मंड्या। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर यूरिया के बारे में ''गलत सूचना'' फैलाने का आरोप लगाया और अपर्याप्त आपूर्ति के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर उंगली उठायी। सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर राज्य को तुरंत उर्वरक उपलब्ध कराने की मांग की है क्योंकि समय से पहले मानसून आने के कारण बुवाई का रकबा बढ़ गया है। उन्होंने भाजपा नेताओं से आग्रह किया कि वे विरोध प्रदर्शन करने के बजाय केंद्रीय मंत्री से बात करें और आपूर्ति सुनिश्चित करें।

मंड्या जिले के मद्दूर में कर्नाटक सरकार द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी 2028 के विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में सत्ता बरकरार रखेगी। उक्त सम्मेलन में विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया और आधारशिलाएं रखी गईं। सिद्दरामय्या ने कहा, ''भाजपा गलत जानकारी फैलाती है... उर्वरकों की कोई कमी नहीं है, लेकिन केंद्र सरकार आवश्यक मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने में असमर्थ रही है।'' उन्होंने कहा कि केंद्र को राज्य को 6,80,655 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति करनी चाहिए थी, लेकिन अब तक केवल 5,16,959 मीट्रिक टन ही भेजी गई है। सिद्दरामय्या ने कहा, ''मैंने केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। इस बार मानसून जल्दी शुरू हो गया है। किसानों ने बुवाई का रकबा बढ़ा दिया है, जिसके लिए उर्वरक की आवश्यकता है और मैंने केंद्र से आपूर्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।''

इस बीच, भाजपा किसान मोर्चा ने सोमवार से सप्ताह भर का राज्यव्यापी आंदोलन शुरू किया और राज्य सरकार पर गलत प्रबंधन के कारण विभिन्न हिस्सों में यूरिया की कृत्रिम कमी पैदा करने का आरोप लगाया। भाजपा का कहना है कि इससे किसानों में घबराहट फैल गई है। पार्टी ने बिचौलियों और व्यापारियों पर उर्वरक का स्टॉक जमा करने का आरोप भी लगाया।

भाजपा पर यूरिया की कमी के मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''क्या हमें भाजपा या विजयेंद्र येडीयुरप्पा (राज्य भाजपा अध्यक्ष) से कोई सबक सीखना चाहिए? जब उनके पिता बीएस येडीयुरप्पा मुख्यमंत्री थे, तब यूरिया और बीज समय पर नहीं पहुंचे, जिसके कारण किसानों ने प्रदर्शन किया था। उस प्रदर्शन के दौरान गोलीबारी हुई, जिसमें दो किसानों की मौत हो गई थी। उन्हें (भाजपा को) शर्म आनी चाहिए। उन्होंने पहले भी दो किसानों की हत्या की है।''

जैसलमेरः सरकारी स्कूल का प्रवेशद्वार गिरने से बच्चे की मौत, एक छात्रा व अध्यापक घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जैसलमेर जिले में सोमवार को एक सरकारी स्कूल भवन का प्रवेशद्वार गिरने से सात साल के एक बच्चे की मौत हो गई जो अपनी बहन को स्कूल से लेने आया था। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में एक छात्रा व एक शिक्षक घायल हो गए। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह हादसा सोमवार को गांव पूनमनगर के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में छुट्टी होने के समय हुआ। प्रवेशद्वार गिर गया और अपनी बहन को लेने आए बच्चे की मौत हो गई जबकि शिक्षक अशोक कुमार सोनी (40) तथा एक अन्य छात्रा प्रिया (पांच) घायल हो गए। मृतक की पहचान अरबाज खान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि प्रवेशद्वार की स्थिति पिछले कुछ समय से जर्जर थी। हादसे की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन की टीम, उपखंड अधिकारी, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचे एवं स्थिति का जायजा लिया। घायल शिक्षक व छात्रा को प्राथमिक उपचार के लिए चिकित्सालय भेजा गया है। अधिकारियों के अनुसार जिला कलेक्टर प्रताप सिंह ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम विकास अधिकारी को निलंबित करने के निर्देश दिए एवं कहा कि इस जांच में अगर कोई दोषी पाया जाता है तो सम्बन्धित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही, उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के समस्त सरकारी विद्यालयों में भवनों की संरचनात्मक सुरक्षा की तत्काल समीक्षा की जाए एवं जहां भी मरम्मत या पुनर्निर्माण की आवश्यकता हो, वहां प्राथमिकता से कार्य करवाया जाए। उन्होंने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन भी दिया है। घटना से गुस्साए परिजन बच्चे के शव के साथ स्कूल के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। एक अधिकारी ने कहा, परिजनों से बातचीत जारी है।

राज्य में सरकारी स्कूल भवन का हिस्सा गिरने की चार दिन में यह दूसरी घटना है। पिछले शुक्रवार को झालावाड़ के पिपलोदी में सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा ढह जाने से सात छात्रों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने हादसे पर शोक जताते हुए कहा कि यह हादसा राज्य सरकार के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, झालावाड़ दुखांतिका के बाद इस प्रकार से एक बार फिर एक छात्र की मृत्यु होना प्रदेश सरकार के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। गहलोत ने लिखा, अभी बारिश का मौसम चल रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मेरा आग्रह है कि शीघ्रता से कदम उठाएं ताकि किसी और मासूम की जान न जाए।

बारां में उच्च माध्यमिक विद्यालय के भवन का हिस्सा ढहा

बारां। राजस्थान में बारां में लगातार हो रही बारिश के चलते अब जर्जर भवनों के गिरने का सिलसिला जारी हो गया है, बारां में दो दिनों से लगातार बारिश से सोमवार को बारां- कोटा रोड स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुराने रियासतकालीन भवन का एक हिस्सा भरभराकर ढह गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह जब शिक्षकगण विद्यालय पहुंचे तो घटना का पता चला।

सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर शिक्षा विभाग के शिक्षा अधिकारी, उपखंड अधिकारी, तहसीलदार और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और वहां निरीक्षण किया। तोमर ने विद्यालय प्रबंधकों को आवश्यक निर्देश भी दिए। सूत्रों के अनुसार भवन का जो हिस्सा गिरा है वहां पहले फिजिक्स की प्रयोगशाला संचालित होती थी। कुछ समय पहले इस कमरे की मरम्मत भी करवाई गई थी। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि जो हिस्सा गिरा है, उसे पिछले सत्र से ही जर्जर घोषित कर दिया था। इसलिए वहां बच्चों का आना-जाना नहीं था। यह भी बताया जा रहा है कि इस विद्यालय भवन की स्थाई मरम्मत और नवनिर्माण के प्रस्ताव सरकार को भेजे हुए थे, लेकिन अब तक कोई बजट आवंटित नहीं हुआ।

खेलों से सामाजिक समरसता और एकता का होता है विकास : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शारीरिक और मानसिक विकास के लिए युवाओं का खेलों से जुड़ना जरूरी बताते हुए कहा है कि खेलों से समाज में सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का विकास होता है।

देवनानी ने सोमवार को रेनवाल मांझी रोड पर नवनिर्मित राजस्थान यूनाईटेड फुटबॉल क्लब में आवासीय फुटबॉल अकादमी का उद्घाटन किया और यह बात कही। उन्होंने कहा कि खेलों से जुड़ने पर युवा के सपनों को नई उडान मिलती है और युवाओं में हार जीत के साथ उनके हौंसलों को नया सम्बल मिलता है।

उन्होंने अकादमी भवन का अवलोकन भी किया और फुटबॉल के खिलाडियों से मुलाकात कर उनका हौंसला बढ़ाया। देवनानी ने कहा कि राजस्थान में फुटबॉल खेल के क्षेत्र में यह अकादमी मील का पत्थर साबित होगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए दिए नारे खेलों इंडिया बढाओं इंडिया को साकार करने के लिए अकादमी का निर्माण सराहनीय कदम है। उन्होंने खेलों के विकास के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी की आवश्यकता प्रतिपादित की।उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में युवा नहीं बल्कि नये भारत का सुनहरा भविष्य दौड़ता है।उन्होंने कहा कि खिलाडियों का आव्हान किया कि वे भारत और राजस्थान को खेल के क्षेत्र में अग्रहणी बनाये।

उन्होंने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सरकार हर स्तर पर सहयोग के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि फुटबॉल में भी भारत ख्याति प्राप्त कर सकता है। इसके लिए हमे प्रतिभाओं को तलाशना और तरासना होगा। इस क्षेत्र में नये खिलाड़ी तैयार करने में अकादमी का महत्वपूर्ण योगदान हो सकेगा।

विदेश में शिक्षा दिलाने की योजना में अभी तक जारी नहीं की गई स्कॉलरशिप : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर 500 बच्चों को विदेश में शिक्षा दिलाने वाली राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सिलेंस योजना को नाम बदल कर बर्बाद कर देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि विदेशों में एडमिशन सेशन खत्म होने वाला है पर अभी तक स्कॉलरशिप जारी नहीं की गई है। गहलोत ने सोमवार को अपने बयान में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 500 बच्चों को विदेश में शिक्षा दिलाने वाली राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सिलेंस का न केवल नाम बदलकर विवेकानंद स्कॉलरशिप किया बल्कि इस योजना को बर्बाद कर दिया है। पिछली साल भी विद्यार्थियों को ऐसे ही परेशानी हुई थी। उन्होंने कहा कि विदेशों में एडमिशन सेशन खत्म होने वाला है पर अभी तक स्कॉलरशिप जारी नहीं की गई है जिसके कारण फीस जमा नहीं हो सकी है। सरकार का तर्क है कि फीस का बाद में पुनर्भरण कर दिया जाएगा परन्तु इन गरीब- मध्यमवर्गीय परिवारों के पास यदि इतनी फीस होती तो ये स्कॉलरशिप के इंतजार में क्यों रहते। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को तुरन्त इस विषय पर ध्यान देना चाहिए जिससे इन युवाओं का भविष्य बर्बाद होने से बच सके।

मुख्यमंत्री शर्मा ने जनसुनवाई की, समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह आम जनता की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर और समयबद्ध तरीके से निरस्तारण करें। शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों को यह निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से बड़ी उम्मीद रखते हैं और ऐसे में अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें।

आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने जनसुनवाई में बड़ी संख्या में आई महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवादियों को जल्द से जल्द राहत दी जाए। साथ ही, प्रकरणों की नियमित निगरानी करते हुए परिवादियों को इसके बारे में सूचित भी किया जाए।

राजस्थान में आगामी दिनों में भारी बारिश की आशंका, कई जिलों में स्कूल बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में आगामी दिनों में भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर कई जिलों ने 28-29 जुलाई को स्कूलों की छुट्टियों की घोषणा की है। बारां, अंता, बांसवाड़ा, कोटा, डूंगरपुर, झालावाड़, भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक और चित्तौड़गढ़ जिलों के जिलाधिकारियों ने स्कूलों की छुट्टियों के आदेश जारी किए हैं। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को पाली, अजमेर, टोंक, बारां सहित कई स्थानों पर व्यापक बारिश दर्ज की गई।

जयपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि मध्य प्रदेश के ऊपर बना अवदाब रविवार को कमजोर होकर स्पष्ट कम दबाव के क्षेत्र में परिवर्तित हो चुका है। उन्होंने बताया कि इसके असर से पिछले 24 घंटो में कोटा, उदयपुर, जयपुर, भरतपुर, जोधपुर संभाग में कहीं कहीं भारी, अति भारी बारिश दर्ज हुई है। सर्वाधिक बारिश 136 मिमी कुशलगढ़, बांसवाड़ा में दर्ज की गई।

विभाग के अनुसार पाली, चित्तौड़गढ़ और बारां सहित कई इलाकों में रविवार को हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई वहीं लगभग दो घंटे तक हुई भारी बारिश से पाली के सादड़ी इलाके में सड़कें जलमग्न हो गईं।

विभाग ने रविवार को उदयपुर, कोटा, अजमेर, जोधपुर, जयपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी, अति भारी बारिश व शेष भागों में हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना जताई थी। वहीं कोटा, उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं अत्यंत भारी बारिश भी होने की संभावना जताई थी। विभाग के अनुसार सोमवार 28 जुलाई को भरतपुर, कोटा, उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी, अति भारी व एक दो स्थानों पर अत्यंत भारी बारिश की संभावना है। जयपुर, अजमेर, जोधपुर संभाग में भी कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

हरियाली तीज पर जयपुर जिला प्रशासन ने कायम किया पौधारोपण का रिकॉर्ड : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा से हरियाली तीज के अवसर पर जयपुर जिला प्रशासन ने एक ही दिन में पौधारोपण का रिकॉर्ड कायम किया है। जयपुर के मदाऊ स्थित जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में 76वें वन महोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पौधारोपण किया। वहीं, जयपुर जिला प्रशासन द्वारा मिशन हरियालो राजस्थान के तहत संपूर्ण जयपुर जिले में एक ही दिन में आवंटित लक्ष्य (21 लाख पौधारोपण) के दोगुना से भी अधिक 42 लाख 2 हजार 139 पौधारोपण कर प्रदेश के 41 जिलों में प्रथम स्थान हासिल किया। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के पर्व पर मिशन हरियालो राजस्थान का शुभारंभ किया था।

उप वन संरक्षक वी. केतन कुमार ने बताया कि हरियाली तीज के अवसर पर कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन एवं नेतृत्व में जिला प्रशासन ने मिशन हरियालो राजस्थान के तहत पूरे जिले में कुल 42 लाख 2 हजार 139 पौधारोपण किये गए। प्रभावी कार्ययोजना एवं नियमित मॉनिटरिंग के चलते टीम जिला प्रशासन के प्रयास रंग लाए एवं राजकीय विभागों, निकायों, निगमों ने सहयोग, समन्वय एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की पेश मिसाल करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। जयपुर में हरियाली तीज के अवसर पर पौधारोपण को लेकर आमजन में भी खासा उत्साह देखने को मिला, जन भागीदारी से वन महोत्सव जन महोत्सव में तब्दील हो गया, माधोराजपुरा सहित अन्य उपखण्डों में ग्रामीण लोक गीतों पर थिरकते हुए वन महोत्सव कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा सर्वाधिक 14 लाख 58 हजार 454 पौधारोपण किये गए, वहीं, वन विभाग द्वारा जयपुर में 2 लाख 55 हजार 218, प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा 5 लाख 2 हजार 229, श्रम विभाग द्वारा 84 हजार 250, रक्षा विभाग द्वारा 2 हजार 80, मनरेगा के तहत 6 लाख 38 हजार 973, उद्यानिकी विभाग द्वारा 17 हजार 609, पशुपालन विभाग द्वारा 3 हजार 403, खनिज विभाग द्वारा 11 हजार से अधिक पौधारोपण किये गए।

वी. केतन कुमार ने बताया कि मिशन हरियालो राजस्थान के तहत जयपुर जिले में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम द्वारा 3 हजार 200, आईसीडीएस द्वारा 3 हजार 583, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 16 हजार 160, कृषि विभाग द्वारा 44 हजार 417, स्थानीय स्वशासन विभाग द्वारा 2 लाख 90 हजार 928, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 4 हजार 595, आयुर्वेद विभाग द्वारा 401, वाटरशेड विभाग द्वारा 5 हजार से अधिक, राजस्थान राज्य सड़क विकास निगम द्वारा 2 हजार 164 पौधारोपण किये गए।

उन्होंने बताया कि जयपुर जिले में परिवहन विभाग द्वारा 5 हजार, राजस्व विभाग द्वारा 51 हजार 419, पुलिस विभाग द्वारा 1 हजार 270, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 1 लाख 12 हजार 456, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 6 हजार 541, सार्वजनिक निमार्ण विभाग द्वारा 1 लाख 39 हजार 476, सिंचाई विभाग द्वारा 2 हजार 120, जल संसाधन विभाग द्वारा 9 हजार 805, उद्योग विभाग द्वारा 19 हजार 548, शहरी विकास विभाग द्वारा 61 हजार 708, कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 100, शहरी विकास एवं आवासन विभाग द्वारा 59 हजार 549, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 1 हजार 901, नगर निगम जयपुर हैरिटेज द्वारा 2 लाख 7 हजार 217, नगर निगम जयपुर ग्रेटर द्वारा 1 लाख 5 हजार 635 सहित अन्य विभागों के द्वारा 18 हजार से अधिक पौधारोपण किये गए।

युवाओं को नशे की लत से दूर रखने के लिए गंभीरता से हो समन्वित प्रयास : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं उन्हें नशे की लत से दूर रखने के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वित और गंभीर प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए सम्बंधित विभाग प्रभावी रणनीति के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा युवाओं में जागरूकता के लिए मशहूर हस्तियों के माध्यम से उन्हें प्रेरित किया जाए।

पंत सोमवार को शासन सचिवालय में आयोजित नार्को कॉर्डिनेशन सेंटर तंत्र (एनकॉर्ड) की राज्य स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी निजी एवं राजकीय महाविद्यालयों में नियमित रूप से नशे से दूर रहने की प्रतिज्ञा करवाई जाए तथा वहां ड्रग कंट्रोल सोसाइटी की स्थापना के लिए प्रयास किए जाएं।

साथ ही, महाविद्यालयों के आसपास के क्षेत्रों में अवैध मादक पदार्थों के सेवन और विक्रय पर सतत निगरानी रखते हुए कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि अवैध मादक पदार्थों के निर्माण में लिप्त गुप्त प्रयोगशालाओं का पता लगाकर पूरे नेटवर्क को समाप्त किया जाए। उन्होंने जिलों में फॉरेंसिक लैब तंत्र को मजबूत करने के निर्देश भी दिए, जिससे मादक पदार्थों की रिपोर्ट समय पर न्यायालयों में प्रस्तुत की जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि एच-1 श्रेणी की फार्मा ड्रग्स की बिक्री पर विशेष निगरानी रख अनियमितता करने वाले फार्मा दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई की जाए। पंत ने मानस हेल्पलाइन-1933 के प्रचार-प्रसार को व्यापक स्तर पर किए जाने के निर्देश दिए और कहा कि इस माध्यम से प्राप्त सूचनाओं की गंभीरता से जांच कर, सही सूचना देने वालों को पुरस्कृत कर अन्य लोगों को भी प्रेरित किया जाए। ।

बैठक में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, अतरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर सावंत, सचिव वित्त (राजस्व) विभाग कुमार पाल गौतम, निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग आशीष मोदी, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम. एन, विजय कुमार सिंह, उपमहानिदेशक(पश्चिमी क्षेत्र) एनसीबी मनीष कुमार, एनसीबी राजस्थान के जोनल निदेशक घनश्याम सोनी, चिकित्सा, पुलिस, उच्चशिक्षा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहें।

व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम का शुभारंभ, प्रदेश के यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : प्रेमचंद बैरवा

जयपुर/दक्षिण भारत । उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि प्रदेश की परिवहन व्यवस्था को अधिक मजबूत एवं यात्रियों के लिए सुरक्षित बनाने की दिशा में राज्य सरकार सभी संभव प्रयास कर रही है । नवाचारों एवं तकनीक के प्रयोग से यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी दिशा में सोमवार को परिवहन भवन में बैरवा ने व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से प्रदेश में संचालित सार्वजनिक सेवा के वाहनों की रीयल टाइम निगरानी एवं यात्री सुरक्षा सुनिश्चित होगी। यह परियोजना प्रदेश के सार्वजनिक परिवहन यानों जैसे यात्री बस, टैक्सी कैब, मैक्सी कैब वाहन एवं केंद्र या राज्य सरकार द्वारा आदेशित वाहन श्रेणी वाहनों के अवैध सञ्चालन, ओवरलोडिंग एवं अनधिकृत रूट सञ्चालन के नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस सिस्टम के तहत प्रत्येक सार्वजनिक सेवा वाहन में जीपीएस आधारित डिवाइस लगाकर कमांड एवं कण्ट्रोल सेंटर द्वारा वाहन की लाइव लोकेशन ट्रैक की जा सकती है। प्रशासनिक निगरानी के लिए इसमें उपलब्ध डैशबोर्ड के माध्यम से वाहन की गति, रूट, स्टॉपेज एवं डिवाइस की कार्यशीलता जैसी जानकारियाँ रियल टाइम में प्राप्त होती है। इसके इमरजेंसी रेस्पॉन्स सिस्टम के तहत संचालित पैनिक बटन से यात्रियों को आपात स्थिति में स्टेट ईआरएसएस (112) द्वारा त्वरित सहायता प्रदान की जा सकेगी।

केंद्र सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा यह पहल विशेष रूप से महिलाओं एवं अन्य संवेदनशील यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर शुरू की गई है। प्रदेश में लगभग 2.5 लाख सार्वजनिक सेवा वाहनों पर यह डिवाइस एवं पैनिक बटन लगाए जाएंगे। वर्तमान में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की 892 बसों में -खड-140 मानक की तडढ डिवाइस एवं पैनिक बटन लगाकर तडढ्ढ सिस्टम को एक्टिवेट किया जा चुका है।

राजस्थान की आर्थिक समृद्धि और सतत् विकास के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के अंत्योदय के विचारों को समाहित करते हुए आशान्वित जिला और आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम की शुरूआत की। इससे अंतिम पायदान के व्यक्ति को राहत प्रदान की जा रही है और विकसित भारत-विकसित राजस्थान के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समावेशन को संस्थागत रूप देने और सुशासन को कार्यसंस्कृति का सबसे प्रमुख हिस्सा बनाने पर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

शर्मा सोमवार को एचसीएम रीपा में राज्य स्तरीय संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश में क्षेत्रीय विषमताएं दूर कर पिछड़े जिलों को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए जनवरी 2018 में आशान्वित जिला कार्यक्रम प्रारंभ किया था।

शीर्ष अदालत का बिहार में मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन पर रोक से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को चुनावी राज्य बिहार में मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में कराए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर हमेशा के लिए अंतिम निर्णय करेगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि वह 29 जुलाई को इस मामले की अंतिम सुनवाई की समय-सारणी तय करेगी। एक गैर सरकारी संगठन की ओर से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि मतदाता सूची को अस्थायी तौर पर अंतिम रूप नहीं दिया जाना चाहिए और मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन पर अंतरिम रोक लगनी चाहिए।

पीठ ने न्यायालय के पिछले आदेश पर गौर किया, जिसमें कहा गया था कि याचिकाकर्ता अंतरिम राहत के लिए अनुरोध नहीं कर रहे थे। पीठ ने कहा कि इसलिए अब ऐसा नहीं किया जा सकता तथा मामले का स्थायी निपटारा किया जाएगा। शंकरनारायणन ने कहा कि प्रकाशन पर रोक लगाने की अंतरिम

राहत पर जोर नहीं दिया गया क्योंकि शीर्ष अदालत ने आश्वासन दिया था कि मामले को एक अगस्त से पहले सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। पीठ ने निर्वाचन आयोग के इस कथन पर गौर किया कि एसआईआर के लिए गणना प्रपत्र मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद भी जमा किए जा सकते हैं। पीठ ने कहा, ''अदालत की शक्ति को कम मत आंकिए। हम पर भरोसा कीजिए। अगर अदालत आपकी दलील से सहमत होती है और अगर कोई अवैधता पाई जाती है, तो यह अदालत तुरंत सब कुछ रद्द कर देगी।'' उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग से कहा कि वह उसके (शीर्ष अदालत के) पहले के आदेश का अनुपालन करते हुए बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के लिए आधार और मतदाता पहचान पत्र को स्वीकार करना जारी रखे। न्यायालय ने कहा कि दोनों दस्तावेजों के प्रामाणिक होने की धारणा है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को कहा कि वह प्रथम दृष्टया 10 जुलाई के आदेश से सहमत है और भारत के निर्वाचन आयोग ने अपने जवाबी हलफनामे में माना है कि आधार, मतदाता पहचानपत्र और राशन कार्ड स्वीकार किए जा सकते हैं। पीठ ने कहा, ''जहां तक राशन कार्ड का सवाल है, तो हम यह कह सकते हैं कि उसकी आसानी से जालसाजी की जा सकती है, लेकिन आधार और मतदाता पहचान पत्र की कुछ विश्वसनीयता है और उनके प्रामाणिक होने की धारणा है। आप इन दस्तावेजों को स्वीकार करना जारी रखें।'' शंकरनारायणन ने कहा कि आधार और वोटर कार्ड स्वीकार करने के चुनाव आयोग के जवाबी हलफनामे में दिए गए दावे के बावजूद, जमीनी रिपोर्टों से कुछ और ही पता चलता है।

दादी का सिंधारा उत्सव में हुआ मंगल पाठ, बही भजनों की रसधार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के दादी धाम प्रचार समिति के तत्वावधान में संजय-रमा नोपानी परिवार के सौजन्य से कल्याणी कला केंद्र में रविवार को 'दादीजी का सिंधारा उत्सव' धूमधाम से मनाया। आयोजक परिवार द्वारा दादी की अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। गुवाहाटी से आई ज्योति जाजोदिया एवं स्थानीय सुरेश चौहान ने दादीजी का संगीतमय मंगलपाठ किया। दादी परिवार की महिलाओं ने दादीजी का जन्मोत्सव, नारायणी बाई का चुनड़ी की छांव में आगमन व चरण धुलाई, मेहंदी उत्सव, हल्दी उत्सव, चुनड़ी उत्सव, गजरा उत्सव आदि दादी भक्तों के साथ नृत्य नाटिका के प्रस्तुत किया। कोलकत्ता से आए अरविन्द सहल ने दादी के भजनों की प्रस्तुति दी। कोलकाता के कारीगरों द्वारा दादीजी के दरबार का श्रृंगार किया गया। दादीजी को 56 भोग, फल व विभिन्न प्रकार के प्रसाद का भोग लगाया गया। इस मौके पर गायकों व अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में 16 नवम्बर को आयोजित होने वाले समिति के वार्षिकोत्सव की घोषणा हुई।

आतंकवाद के प्रति मोदी की नीति के कारण अब कोई भी आतंकी कहीं भी सुरक्षित नहीं : केशव प्रसाद मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए दावा किया कि आतंकवाद के प्रति उनकी (मोदी) 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के कारण अब कोई भी आतंकी कहीं भी सुरक्षित नहीं है। मौर्य ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा 'ऑपरेशन सिंदूर' ने एक बार फिर पाकिस्तान समेत समूची दुनिया को जता दिया है कि जब भारत की सेना गरजती है, तो पाकिस्तान और उसकी खुराक पर पलने वाले आतंकी शिविरों में सन्नाटा पसर जाता है। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे वक्त की है जब संसद में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा हो रही है।

भारतीय जनता पार्टी के नेता मौर्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक के बाद अब 'ऑपरेशन सिंदूर' की विजय ने आतंकवाद की जड़ों को हिला कर रख दिया है। लेकिन देश में विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी और उनकी 'सदाबहार मंडली' के मानस पर इसका 'गहरा आघात' लगा है। मौर्य ने कहा इससे परेशान होकर उन्होंने भारतीय सेनाओं और उनके शौर्य पर ही सवाल उठा दिया है। भारत और पाकिस्तान के किसी भी मामले में वे पाकिस्तान के पक्षकार बन जाते हैं। उप मुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के निर्णायक नेतृत्व का बारंबार अभिनंदन है। आतंकवाद के प्रति उनकी 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के कारण अब कोई भी आतंकी कहीं भी सुरक्षित नहीं है। वंदेमातरम! एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा 'ऑपरेशन सिंदूर' से बढ़ा भारत की सेना का सम्मान, मगर कांग्रेस को 'बर्दाश्त नहीं' पाकिस्तान का अपमान।

सुनिश्चित करें कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान लोगों को परेशान न किया जाए : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोलपुर (प.बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर लोगों को परेशान न किया जाए। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)और निर्वाचन आयोग पर मतदाता सूची में सुधार की आड़ में बांग्ला भाषी प्रवासियों, अल्पसंख्यकों, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और गरीबों को निशाना बनाकर वैध मतदाताओं को हटाने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

बनर्जी ने बीरभूम जिले के बोलपुर स्थित गीतांजलि स्टेडियम में प्रशासनिक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बढ़ते विवाद के बीच निर्वाचन आयोग पर हमला बोला। यह प्रक्रिया पड़ोसी राज्य बिहार में पहले से ही चल रही है, जहां इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। बनर्जी ने बैठक में बूथ स्तरीय अधिकारियों से कहा, ''निर्वाचन आयोग चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद ही कार्यभार संभालता है। तब तक, और उसके बाद भी, प्रशासनिक जिम्मेदारी राज्य सरकार की ही रहेगी। आप राज्य सरकार के कर्मचारी हैं। किसी भी व्यक्ति को बेवजह परेशान न करें।'' मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि लंबे समय से मतदाता रहे किसी भी व्यक्ति का नाम मनमाने ढंग से मतदाता सूची से न हटाया जाए। उन्होंने कहा, ''मान लीजिए कोई लड़का चार दिनों की छुट्टी पर जाता है, तो क्या आप उसका नाम हटा देंगे? क्या यह उचित है? इस राज्य में ऐसे लोग हैं, जो वर्षों से मतदाता हैं। सिर्फ इसलिए कि कोई कुछ दिनों के लिए अनुपस्थित है, इसका मतलब यह नहीं है कि आप उसका नाम काट दें।'' मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बिहार में जारी प्रक्रिया पश्चिम बंगाल में भी दोहरायी जा सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बांग्ला भाषी लोगों और अन्य जिन्हें 'अवांछनीय' माना जाता है,को बाहर करने के लिए एक ''जानबूझकर, राजनीति से प्रेरित कार्रवाई'' है।

बुलंदशहर में करीब दो दर्जन छात्र-छात्रा कीटनाशक दवा के प्रभाव से बीमार हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुलंदशहर (उप्र)/भाषा। बुलंदशहर जिले के थाना खानपुर क्षेत्र स्थित कनौना गांव के इंटर कॉलेज में मच्छर निरोधक दवा के छिड़काव के बाद सोमवार को संस्थान पहुंचे करीब दो दर्जन छात्र-छात्र बीमार हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इंटर कॉलेज प्रशासन द्वारा शनिवार को मच्छर निरोधक कीटनाशक दवा का छिड़काव कराया गया था।

स्याना के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) प्रखर पांडेय ने बताया कि आज थाना खानपुर पुलिस को सूचना मिली कि कनौना इंटर कॉलेज में 20-25 विद्यार्थियों की तबियत खराब हो गई और उन्हें उल्टी और चहरे पर जलन की शिकायत हो रही है।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर बच्चों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया और इनमें से तीन-चार बच्चों को थोड़ी घुटन भी महसूस हो रही थी, इसलिए इन्हें स्याना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

'सच्चा साधक वही है जो समय रहते जीवन को धर्म राह में लगा दे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तकश्री नरेश मुनि जी ने आचारांग सूत्र के माध्यम से आयुष्य कर्म पर चर्चा को आगे बढ़ाते हुए सोमवार को गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रभु महावीर ने श्री उत्तराध्ययन सूत्र के चौंतीसवें लेश्या अध्ययन में छह प्रकार की लेश्याओं की विवेचना की है। उनमें प्रथम तीन अशुभ फल प्रभाव वाली और अन्तिम तीन शुभ प्रशस्त प्रभाव वाली है। जिस लेश्या में आयुष्य का बंध होता है। मरते वक्त वही जीव में वही लेश्या के परिणाम रहते हैं। उन्होंने कहा कि मन वचन काया की कषाय प्रवृत्ति को लेश्या कहते हैं। पाप का सम्बन्ध मन से है। शालिभद्र मुनिजी ने अनित्य भावना पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा भाव अच्छा तो प्रभाव भी अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि संसार के जितने भी पदार्थ हैं वे सब अनित्य, नाशवान, क्षणभंगुर है।

एक हमारी आत्मा ही सदा शाश्वत नित्य है। जन्म के साथ मृत्यु निश्चित है। आप घड़ी, कैलेंडर बदल सकते हैं पर समय को नहीं। मुनिश्री ने भरत चक्रवर्ती का उदाहरण देते हुए कहा कि शरीर और संसार के पुदगल पदार्थो की नश्वरता का चिंतन करते हुए भरत चक्रवर्ती ने अनित्य भावना करते हुए उन्हें केवल ज्ञान की प्राप्ति हो जाती है। इन्द्रधनुष और आकाश की बिजली के समान यह मानव जीवन है। सच्चा साधक वही है जो समय रहते शरीर और संसार के पदार्थों की नश्वरता को समझते हुए अपने जीवन को धर्म की सही राह में लगा लेता है।

ऑपरेशन सिंदूर में कितने विमान गिरे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने सोमवार को केंद्र पर तीखा प्रहार किया और कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाले आतंकवादी अब तक गिरफ्त से बाहर क्यों हैं और 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कितने विमान गिरे थे।

संसद के निचले सदन में ''पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा'' में भाग लेते हुए कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में सुरक्षा चूक की नैतिक जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह को लेनी चाहिए। उन्होंने सरकार से सवाल किया, ''पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को अब वापस नहीं लेंगे तो कब लेंगे?'' कांग्रेस नेता ने सदन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए दावा किया कि सिंह ने कई सच्चाई सामने नहीं रखी।

गोगोई ने कहा, ''हाल में जो युद्ध हुआ वह सूचना का युद्ध था। हम दुनिया को सच्चाई की सूचना देना चाहते थे। लेकिन कुछ ताकतें झूठ फैला रही थीं। इस चर्चा का मकसद है कि सच्चाई सदन में आनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''राजनाथ सिंह जी ने बहुत सी सूचनाएं दी, लेकिन रक्षा मंत्री होने के नाते यह नहीं बताया कि पहलगाम में आतंकी कैसे आ गए? आतंकवादियों ने कैसे वहां पहुंचकर लोगों की हत्या की?'' उन्होंने कहा, ''विपक्ष का कर्तव्य है कि हम देशहित में सवाल पूछें। देश यह जानना चाहता है कि पांच आतंकवादी कैसे घुसे? उन आतंकवादियों का मकसद जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को तबाह करना और देश में सांप्रदायिक माहौल बनाना था।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''100 दिन बीत गए, लेकिन पांच आतंकियों को पकड़ा नहीं जा सका। ऐसा क्यों हैं? यह देश जानना चाहता है।'' उन्होंने कहा, ''आपने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद जम्मू-कश्मीर आइए और लोग आए, लेकिन जब लोग आतंकवादियों की गोलीबारी में घायल हुए तो एक घंटे एंबुलेंस पहुंचने में लग गए।'' गोगोई ने कहा, ''उपराज्यपाल (मनोज सिन्हा) ने सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी ली है। यह जिम्मेदारी केंद्रीय गृह मंत्री को लेनी चाहिए।''

'देश पहलगाम हमले के आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर नहीं, 'ऑपरेशन तंदूर' चाहता था'

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्य रमाशंकर राजभर ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि देश पहलगाम आतंकी हमले के बाद इसके लिए जिम्मेदार आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर नहीं बल्कि ''ऑपरेशन तंदूर'' चाहता था।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने का अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा यदि सही है तो इसका मतलब है कि ''हमने सैन्य और कूटनीतिक फैसला लेने की स्वतंत्रता'' खो दी।

रमाशंकर राजभर ने ''पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर संसद के निचले सदन में विशेष चर्चा'' में भाग लेते हुए कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमला हुआ और इसके 17 दिन बाद ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया, जबकि देश हमले के तीसरे दिन ही कार्रवाई चाहता था।

ललन सिंह ने एसआईआर पर लोस में कहा

असली नस पकड़ा गया है, इलाज भी पक्का होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में सोमवार को चर्चा के दौरान विपक्षी दलों के कुछ सदस्यों द्वारा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाये जाने पर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि असली नस पकड़ा गया है और इलाज भी पक्का होगा। बिहार के मुंगेर से लोकसभा सदस्य सिंह ने चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों के शोरगुल करने पर हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, ''जाओ न...उधर वोटर काफी जाली बनवाए हो...उधर जाकर देखो।''

केंद्रीय पंचायती राज मंत्री ने कहा कि असली नस पकड़ा गया है और इलाज भी पक्का होगा। उन्होंने एसआईआर की कवायद का विरोध कर रहे विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा, ''एक चीज बता देते हैं कि यदि असली बीमारी पकड़ा जाता है तो उसका इलाज भी 'परफेक्ट' होता है। 'डायग्नोसिस' अगर सही हुआ तो 'ट्रीटमेंट' भी पक्का होता है।'' जनता दल (यूनाइटेड) नेता ने कहा, ''आपकी बीमारी समाप्त हो जाएगी, चिंता मत करिये।''

पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच नहीं होना चाहिए: अरविंद सावंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के नेता अरविंद सावंत ने सोमवार को लोकसभा में केंद्र सरकार से आग्रह किया कि भारत के खिलाफ आतंकवाद फैलाने वाले पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच नहीं होना चाहिए। सावंत ने सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए यह मांग उस वक्त उठाई जब एशिया कप में 14 सितंबर को भारतीय और पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के बीच मैच प्रस्तावित है।

एशिया कप के कार्यक्रम के अनुसार चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान को ग्रुप 'ए' में रखा गया है और वे 14 सितंबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आमने-

सामने होंगे। सावंत ने कहा, ''पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना बंद करो। जो पाकिस्तान आपके साथ यह (आतंकवाद) बर्ताव करता है, उसके साथ किक्रेट खेलने जा रहे हैं। मेरा आग्रह है कि उसके साथ क्रिकेट मत खेलो।''

शिवसेना (उबाठा) नेता ने कहा कि जांच इसकी होनी चाहिए कि पहलगाम में आतंकी हमले के समय जवान कहां थे? उन्होंने कहा, ''जिन आतंकवादियों ने सिंदूर छीना, उन्हें आज तक पकड़ा नहीं जा सका।''

मणिपुर के पांच पहाड़ी जिलों से 155 आग्नेयास्त्र बरामद

इंफाल/भाषा। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने पिछले कुछ दिनों में पहाड़ी जिलों चुराचांदपुर, कांगपोकपी, फेरजावल, तेंगनौपाल और चंदेल में चलाए गए कई अभियानों के दौरान 155 आग्नेयास्त्र और 1,652 कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), असम राइफल्स और सेना की संयुक्त टीमों द्वारा खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में ये हथियार बरामद किए गए।

पुलिस के मुताबिक, बरामद किए गए हथियारों में एके सीरीज की आठ राइफल, दो इंसास राइफल, चार कार्बाइन, एक एसएलआर, नौ एमएम की आठ पिस्तौल, 12 बोर की 14 बंदूक, सिंगल बोर की 21 बंदूक, 14 देशी पिस्तौल और अन्य राइफल शामिल हैं।

दिव्या देशमुख ने महिला विश्व कप फाइनल में हम्पी को हराया, ग्रैंडमास्टर बनीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बातुमी (जॉर्जिया)/भाषा। भारत की युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने अपने करियर की सबसे बड़ी सफलता हासिल करते हुए सोमवार को यहां हमवतन और अपने से कहीं अधिक अनुभवी कोनेरू हम्पी को टाईब्रेकर में हराकर फिडे महिला विश्व कप का खिताब जीता।

इस जीत से 19 साल की दिव्या ने ना सिर्फ यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता बल्कि साथ ही ग्रैंडमास्टर भी बन गईं जो टूर्नामेंट की शुरुआत में असंभव लग रहा था।

वह ग्रैंडमास्टर बनने वाली सिर्फ चौथी भारतीय महिला और कुल 88वीं खिलाड़ी हैं।

नागपुर की इस खिलाड़ी ने शनिवार और रविवार को खेले गए दो क्लासिकल मुकाबलों

के ड्रॉ होने के बाद टाईब्रेकर में जीत दर्ज की।

दो क्लासिकल बाजी ड्रॉ होने के बाद टाईब्रेकर का पहला समूह निर्णायक साबित हुआ जिसमें हम्पी ने अपना संयम खो दिया। विश्व कप और महिला विश्व चैंपियनशिप को छोड़कर हम्पी ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज में सब कुछ जीता है लेकिन किस्मत या फिर अपने धैर्य के कारण विश्व कप खिताब जीतने में नाकाम रही हैं।

दिव्या ने सोमवार को दृढ़ निश्चय दिखाया और इस जज्बे का बोनस ग्रैंडमास्टर खिताब था जो इस प्रतियोगिता के चैंपियन के लिए आरक्षित था।

सोमवार को समय नियंत्रित टाईब्रेकर की पहली बाजी में सफेद मोहरों से खेलते हुए दिव्या ने हम्पी को फिर से ड्रॉ पर रोका लेकिन दूसरी बाजी में काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन को हराकर जीत दर्ज की।

दिव्या अब हम्पी, डी हरिका और आर वैशाली के साथ देश की ग्रैंडमास्टर बनने वाली महिलाओं की सूची में शामिल हो गई हैं।

भारतीय ग्रैंडमास्टर पी इनियान ने डोल ओपन अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिताब जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय ग्रैंडमास्टर पी इनियान ने पोलैंड के यान मालेक को टाइब्रेकर में हराकर दूसरा डोल ओपन अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिताब जीत लिया । फ्रांस में हुए टूर्नामेंट में दोनों खिलाड़ियों के 7.5 अंक रहने के बाद विजेता का निर्धारण टाइब्रेकर के आधार पर हुआ । तमिलनाडु के इरोड के रहने वाले इनियान पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहे । उन्होंने उजबेकिस्तान, मेडागास्कर, तुर्की, फ्रांस और पोलैंड के

अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स को हराने के अलावा तीन ड्रॉ खेले। टूर्नामेंट में 43 देशों के 39 ग्रैंडमास्टर्स समेत 276 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। यूक्रेन के ग्रैंडमास्टर पावेल एजानोव तीसरे स्थान पर रहे ।

असम में छह करोड़ रुपए मूल्य का मादक पदार्थ जब्त, दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को बताया कि राज्य के कछार जिले में छह करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की याबा टैबलेट जब्त की गई हैं और इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कछार पुलिस ने मादक पदार्थ निरोधक अभियान में छह करोड़ रुपए मूल्य की 20,000 याबा टैबलेट जब्त की हैं। इस संबंध में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''मादक पदार्थ के खतरे के खिलाफ असम पुलिस की एक और कड़ी कार्रवाई।'' शर्मा ने कहा कि इस मामले के संबंध में आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पहले ही शुरू कर दी गई हैं। याबा भारत में अवैध है क्योंकि इसमें मेथामफेटामीन (नियंत्रित पदार्थ अधिनियम के तहत अनुसूची खख का पदार्थ) और कैफीन होता है।

सुविचार

आत्मविश्वास का सबसे बड़ा रहस्य है अपने आप को बेहतर समझना और स्वीकार करना।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वच्छ भारतः जन आंदोलन की जरूरत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम की 124वीं कड़ी में जिन बातों का जिक्र किया, उन पर काम करने से बेहतर भविष्य का निर्माण किया जा सकता है। आज देश के सामने कई चुनौतियां हैं। उन्हें स्वीकार करते हुए सकारात्मक सोच के साथ काम करने से ही हम ऐसे मुकाम पर पहुंच सकते हैं, जिससे अन्य देश प्रेरणा लें। बेशक कई काम ऐसे हैं, जो शुरुआत में असंभव प्रतीत होते हैं, लेकिन ईमानदारी और मेहनत के साथ आगे बढ़ने से उनमें अच्छे नतीजे मिलते हैं। प्रधानमंत्री ने 'स्वच्छ भारत मिशन' का जिक्र करते हुए हकीकत बयान की है कि 'जब देश एक सोच पर एकसाथ आ जाए, तो असंभव भी संभव हो जाता है।' इस मिशन के जरिए लोगों में काफी जागरूकता आई है। सार्वजनिक स्थान काफी साफ-सुथरे नजर आने लगे हैं। पहले, जहां लोग सड़कों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों पर कचरा फेंकने से गुरेज नहीं करते थे, अब वे स्वच्छता का ध्यान रखने लगे हैं। कई रेलवे स्टेशन बहुत साफ हो गए हैं। हालांकि अभी बहुत काम करने की जरूरत है। कई लोग इस मामले में बहुत लापरवाह हैं। उन्हें जब मौका मिलता है, वे पान, गुटखा, तंबाकू आदि खाकर इधर-उधर थूकते रहते हैं। इस प्रवृत्ति को रोकने की जरूरत है। स्वच्छता को जन आंदोलन बनाना होगा। इन दिनों सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो चर्चा में हैं, जिनमें विदेशी नागरिक हमारे 'सिविक सेंस' का मजाक उड़ा रहे हैं। वे भारत के प्राकृतिक सौंदर्य और मेहमान-नवाजी की तारीफ करते हैं। उसके साथ ही यह भी कहते हैं कि अगर भारतवासी साफ-सफाई की ओर ध्यान दें तो उनका देश और ज्यादा सुंदर हो सकता है। सड़कों पर कचरा, उफनतीं नालियां, खाद्य पदार्थों पर बैठे मक्खी-मच्छर और पान की पीक से सनी हुईं दीवारें – ये नजारे उनके पर्यटन आनंद में बाधा डालते हैं।

स्वच्छता की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की नहीं होती है। नागरिकों में भी यह भावना होनी चाहिए कि हमें इस देश को स्वच्छ और सुंदर बनाना है। जब हमारे देशवासी जापान जाते हैं तो उसकी स्वच्छता की जरूर तारीफ करते हैं। जापानी दफ्तरों में बॉस से लेकर कर्मचारियों तक, कोई भी सफाई करने में शर्म महसूस नहीं करता। अपने कार्यस्थल को साफ रखना गर्व की बात है। जापानी बच्चों को स्कूलों में सफाई का पाठ पढ़ाया जाता है। वहां प्रधानाचार्य हों या विद्यार्थी, सबको अपने स्कूलों में एकसाथ सफाई करते देखा जा सकता है। जापान में कई जगह तो नालियां इतनी साफ हैं कि उनमें मछलियां तैरती नजर आती हैं! अगर हमारे देश में नागरिक मिलकर, समय-समय पर अपने मोहल्लों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई करने लग जाएं तो देश की तस्वीर बदल सकती है। प्राय: यह तर्क दिया जाता है कि 'देश में कूड़ा-कचरा इसलिए ज्यादा है, क्योंकि आबादी ज्यादा है।' ऐसा तर्क देने वाले यह क्यों भूल जाते हैं कि आबादी ज्यादा है तो सफाई करने वाले हाथ भी ज्यादा हैं? अगर हर व्यक्ति स्वच्छता को अपने जीवन का हिस्सा बना ले तो देश साफ-सुथरा क्यों नहीं हो सकता? लोग गंदगी फैलाना ही बंद कर दें तो स्वच्छता को कायम रखना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। इसके लिए जागरूक होना पड़ेगा। हाल में एक जापानी महिला का वीडियो चर्चा में रहा था, जो अपने बगीचे के पत्तों, फलों व सब्जियों के छिलकों, रसोईघर के कचरे को इकट्ठा कर खाद बनाती हैं तथा उसका इस्तेमाल बगीचे में करती हैं। इससे उनका बगीचा खूब हरा-भरा रहता है और भरपूर फल-सब्जियां देता है। क्या हम ऐसा नहीं कर सकते? हमारी कई सब्जी मंडियों में सफाई की क्या हालत है? वहां सड़े हुए फलों-सब्जियों के ढेर लगे होते हैं। कई जगह लोग सूखी घास और पत्तियों को आग लगाकर वायु प्रदूषण फैलाते हैं। हम लोग भी आगे बढ़कर कर्तव्य निभाएं, गंदगी न फैलाएं तो भारत को दुनिया का सबसे ज्यादा साफ-सुथरा देश बना सकते हैं।

ट्वीटर टॉक

झालावाड़ की भीषण त्रासदी के आंसू अभी सूखे भी नहीं कि अब जैसलमेर से एक और दर्दनाक स्कूली हादसा सामने आया है। जैसलमेर के पूनमनगर में सरकारी स्कूल का प्रवेश द्वार गिरने से एक मासूम की मृत्यु की ख़बर अत्यंत दु:खद एवं पीड़ादायक है।

–गोविंदसिंह डोटासरा

काशी और तमिल का हजारों वर्षों पुराना सांस्कृतिक संबंध है जो एक भारत, श्रेष्ठ भारत की जीवंत मिसाल है। तमिलनाडु का भारत के विभिन्न राज्यों से पौराणिक और सांस्कृतिक संबंध न केवल हमारी साझा विरासत को दर्शाते हैं।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत

श्रावण मास के तृतीय सोमवार की आप सभी श्रद्धालुजनों को मंगलमय शुभकामनाएं। भोलेनाथ की कृपा आप सभी पर बनी रहे, जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का सावन हमेशा हरा-भरा बना रहे। ॐ नमः शिवाय!

–वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

मौन में मुखर भक्ति

जब हनुमान जी की दृष्टि एक घायल मोर पर पड़ी, जो राम नाम का जाप नहीं कर रहा था, तो उनका मन व्याकुल हो गया। जहां सभी जीव राम का गुणगान कर रहे थे, वहीं यह मोर नि:शब्द पड़ा था। हनुमान जी ने पूछा, 'हे मोर, तुम राम नाम क्यों नहीं जपते?' मोर मौन रहा। हनुमान जी सोच में पड़ गएक्या यह प्रभु से विमुख है, या इसकी पीड़ा ही इसे मौन बना रही है? इस संशय को लेकर वे श्रीराम और सीता जी के पास पहुंचे और सारी बात विस्तार से बताई। हनुमान की जिज्ञासा सुनकर श्रीराम मुस्कुरा उठे और बोले, हनुमान, यदि तुम जानना चाहते हो कि भक्ति का असली स्वरूप क्या है, तो इस मोर की सेवा करो। न राम नाम सिखाओ, न कोई प्रवचन दो, बस इसे ठीक करो। हनुमान जी ने विनम्रता से आज्ञा स्वीकार की। वे दिन-रात उस मोर की सेवा में लगे रहे। अपने उपचार से उन्होंने उसके घाव तो भर दिए, पर मोर अब भी मौन था। एक दिन, जब हनुमान उसकी सेवा में लीन थे, उन्होंने देखा कि मोर की आंखों से अश्रु बह रहे हैं और उसकी दृष्टि में श्रीराम की छवि स्पष्ट प्रतिबिंबित हो रही है। उस क्षण हनुमान को अनुभूति हुई 'यह तो राम को उसी तरह देख रहा है जैसे मैं।' उनकी आंखें भर आईं।

सामयिक

यूके हर साल लगभग 30 बिलियन डॉलर के टेक्सटाइल आयात करता है, जिसमें भारत का हिस्सा सिर्फ 1.73 बिलियन डॉलर (करीब 5.5 प्रतिशत) है। इसका कारण यह था कि बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश शून्य शुल्क पर निर्यात कर पा रहे थे और भारत प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहा था। अब भारत को भी शून्य शुल्क का लाभ मिलेगा, जिससे हमारे उद्योगों को भारी अवसर प्राप्त होंगे। चमड़ा और फुटवेयर उद्योग में भी ड्यूटी दरें 216 प्रतिशत तक थीं और हमारा निर्यात सिर्फ 0.5 बिलियन डॉलर था।

ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता 'गेमचेंजर'

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक डील हुई है, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध का नया अध्याय शुरू होगा। 24 जुलाई, 2025 को लंदन में भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हुआ। इस समझौते के तहत दोनों देश आपसी व्यापार को 2030 तक यानि अगले चार-पांच सालों में 120 अरब यूएस डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। ब्रिटेन ने ब्रेक्जिट से निकल जाने के बाद पहली बार किसी देश के साथ इतनी बड़ी डील की हो। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार भारत की मजबूत और निर्णायक नेतृत्व क्षमता, तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग और लोगों की बढ़ती आय ने भारत को वैश्विक साझेदार के रूप में एक पसंदीदा देश बना दिया है। यह एक गेमचेंजर समझौता है। यूनाइटेड किंगडम के माननीय प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि यह यूके का ब्रेक्जिट के बाद का सबसे महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौता है। ऐतिहासिक डील के लिए सर्वप्रथम सबसे पहले भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देना आवश्यक है। यह वास्तव में मोदी सरकार का सराहनीय कदम है कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता, जो लगभग चार-पांच वर्षों से बातचीत में अटका हुआ था, आखिरकार फलीभूत हो गया है। दोनों देश पूर्व प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन के तहत हस्ताक्षर करने के बहुत करीब थे। जॉनसन की भारत यात्रा के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने थे। लेकिन उससे पहले जॉनसन को जाना पड़ा। बाद में ऋषि सुनक ने भी इसे करने की कोशिश की। इस समझौते का दीप निवास पर दीपावली पर जलाया जाना था। ऐसा नहीं हुआ।

फिर चुनाव हुए, और इंग्लैंड में सत्ता लंबे समय से लेबर पार्टी की थी। पूर्व के सभी पक्षपातपूर्ण हैं। पीयूष गोयल मतलब यह सब नए सिरे से शुरू करने के बारे में है। प्रधानमंत्री कीर स्टारर ने ऐसा किया। इसका कारण ब्रिटेन की बिगड़ती अर्थव्यवस्था है। ऐसे समय में जब ब्रेक्सिट का ग्रहण ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को गहरा कर रहा है और अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प का उदय इस ग्रहण के आर्थिक अंधेरे को जोड़ रहा है, अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए कुछ ठोस करने की आवश्यकता है। सबसे पहले, स्टारर ने यूरोपीय संघ के साथ एक महत्वपूर्ण व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए और अब भारत के साथ। उन्होंने यूरोप के साथ समझौते को दोनों के लिए और भारत के लिए जीत का सौदा बताया। आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा इंग्लैंड कुछ ऐसा चाहता था। उन्हें यह इन अनुबंधों के माध्यम से मिला। यह हमारी जरूरत भी थी। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने प्रधानमंत्री के आजीवन मित्र रहे डोनाल्ड ट्रंप को एक मुश्किल जगह पर दर्द महसूस होने लगा है। इसके अलावा चीन जो दुविधा पैदा कर रहा है, वह भी है। इन दोनों देशों को छोड़कर यूरोप के साथ व्यापार समझौता भी अधर में लटका हुआ है। ना कहने के लिए, हमने अब तक 14 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। लेकिन जब संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, जापान, मॉरीशस, मलेशिया, चिली, अफगानिस्तान, आदि यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका या यूनाइटेड किंगडम के विकल्प नहीं हैं, तो हमें एक मजबूत व्यापार समझौते की आवश्यकता थी जो दोनों की जरूरतों को पूरा करता हो।

इससे अगले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार 12 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो जाएगा। वर्तमान में, भारत ब्रिटेन से आयात से अधिक निर्यात करता है। लेकिन फिर भी उस देश के बाजार में भारत का हिस्सा दो प्रतिशत भी नहीं है। यह अब बढ़ेगा, क्योंकि इस समझौते में, लगभग सभी भारतीय वस्तुओं पर शून्य प्रतिशत कर लगाया जाएगा। ताकि वे कर-मुक्त हों। कपड़ा, कोल्हापुरी चप्पलें, आप उस देश में अधिक थोक दवाएं, रसायन, आभूषण आदि बेच सकेंगे।

साथ ही लक्जरी कारों, महंगी शराब, गैर-कानूनी सेवाओं को इंग्लैंड से भारत में अधिक स्वतंत्र रूप से आपूर्ति की जाएगी। आप इंग्लैंड के सबसे बड़े चांदी आयातक होंगे। इस समझौते के बाद, ब्रिटेन के चांदी के लेनदेन भारत में चांदी के हो जाएंगे। भारत से दो प्रमुख मुद्दे उस देश में भारतीय शराब की मुक्त गुंजाइश और साथ ही, उस देश में शराब की बिक्री थे। इसे भारतीयों के कप में आसानी से गिरने दें। यह कुछ हद तक आसान होगा। कुछ हद तक, ऐसा इसलिए है क्योंकि ब्रिटिश शराब पर भारत में लगाया गया आयात कर सिर्फ एक मुद्दा है। आयात कर कम हो जाएगा, लेकिन साथ ही इससे केंद्रीय और राज्य उत्पाद शुल्क, माल और सेवा कर आदि में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इस समझौते का लाभ शराब कंपनियों की तुलना में शराब कंपनियों को अधिक होगा। उनके लक्जरी करों के कारण, केवल 350 रुपये में बेची जाने वाली व्हिस्की की बोतल भारतीय बाजार में 3100 रुपये से अधिक महंगी होगी। नए समझौते से मुश्किल से 300 रुपये का अंतर आएगा। दूसरा मुद्दा भारतीय बाजार में कानूनी सलाह देने वाली ब्रिटिश कंपनियों को मुफ्त दरवाजा देना होगा। 2035 तक, ब्रिटिश कानून फर्मों को भारत में सहायक कंपनियां स्थापित करने की अनुमति देने के लिए कुछ कदम उठाए जाएंगे। यह कहा जा सकता है कि हमने कुछ दिया है, व्यापार के संदर्भ में बहुत कुछ लिया है। हालांकि, इस समझौते का असली फायदा ब्रिटेन में काम करने वाले भारतीयों को होगा। शिक्षकों, खानसेम और यहां तक कि बड़ी संख्या में हाल के 'योग गुरुओं' को उस देश में अधिक अवसर मिलेंगे। भारतीय तकनीशियनों और कंप्यूटर विशेषज्ञों को मुफ्त में वीजा दिया जाएगा और उनकी संख्या भी बढ़ेगी। इसे शुद्ध लाभ के रूप में देखा जाना चाहिए या नहीं? यह प्रश्न। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारे पास पहले से ही ऐसे लोगों की संख्या बढ़ रही है जो विदेश जाना चाहते हैं। वह किसी भी पद पर विदेश जाने के लिए उत्सुक है। इंग्लैंड के पास अब उन लोगों के लिए अधिक अवसर होंगे जो ऐसी मातृभूमि को त्यागना चाहते हैं। भले ही यह प्रवासी वर्ग उस देश में रहकर पाउंड में कमाता हो, और अधिक जोश के साथ भारत माता का जाप करें! इसलिए अंतिम लाभ इंग्लैंड को होगा। वह भी दोगुना। एक, जो लोग संयुक्त राज्य अमेरिका जाना चाहते हैं, उनके कदम इंग्लैंड की ओर मुड़ जाएंगे, और दूसरा, इंग्लैंड को कम पैसे में बड़ी संख्या में अच्छे कुशल श्रमिक, कारीगर मिलेंगे। देश को पूर्वी यूरोपीय अकुशल भारतीयों की तुलना में थोड़ा अधिक महंगा लेकिन कुशल भारतीय मिलने लगेंगे जो वहां बहुत सस्ते में आना चाहते हैं। दूसरे शब्दों में, हमारे बौद्धिक नुकसान से ब्रिटेन को फायदा होगा। इस प्रकार, ऐसे समय में जब इस मुक्त व्यापार समझौते का जश्न मनाया जा रहा है और यह माना जाता है कि हमने 'विश्व नेता' बनने की दिशा में एक कदम उठाया है, दो बिंदुओं पर ध्यान देना बुद्धिमानी है।

पहला बिंदु हमारे निर्यात कारक हैं। पारंपरिक आभूषण और कम कुशल सामग्री हमारी निर्यात सूची में मुख्य योगदानकर्ता हैं। उस समय, यूके आपको जो सामान निर्यात करता है, उनमें उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरण, विमान, आदि पुर्जे/प्रौद्योगिकी और समृद्ध कारें शामिल हैं। उन सभी को उच्चतम स्तर की प्रौद्योगिकी और तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। उनकी लागत भी अधिक होती है। ताकि जो सामान हम उस देश में भेजने जा रहे हैं वह अपेक्षाकृत सस्ता हो और साथ ही उस देश से हमारे बाजार में आ सके। हालाँकि, सामग्री अधिक मूल्यवान होगी। इसका मतलब यह है कि इंग्लैंड आपको अधिक सामान बेचकर जितना मिलेगा उससे बहुत कम बेचकर उतना ही या उससे अधिक कमाएगा।

उदाहरण के तौर पर, यूके हर साल लगभग 30 बिलियन डॉलर के टेक्सटाइल आयात करता है, जिसमें भारत का हिस्सा सिर्फ 1.73 बिलियन डॉलर (करीब 5.5 प्रतिशत) है। इसका कारण यह था कि बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश शून्य शुल्क पर निर्यात कर पा रहे थे और भारत प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहा था। अब भारत को भी शून्य शुल्क का लाभ मिलेगा, जिससे हमारे उद्योगों को भारी अवसर प्राप्त होंगे। चमड़ा और फुटवेयर उद्योग में भी ड्यूटी दरें 216 प्रतिशत तक थीं और हमारा निर्यात सिर्फ 0.5 बिलियन डॉलर था। अब हमारी कोल्हापुरी चप्पलें और जूते यूके बाज़ार में ज़्यादा प्रतिस्पर्धात्मक होंगे। जेम्स और जूलरी जैसे क्षेत्रों में भी जहां 4प्रतिशत ड्यूटी लगती थी, अब वह खत्म हो जाएगी।समुद्री उत्पाद, मैकेनिकल मशीनरी, प्लास्टिक, रबर, प्रोसेस्ड फूड्स, फर्नीचर, स्पोटर्स गुड्स, मीट, फल, सब्ज़ियां, मसाले सभी क्षेत्रों को शून्य शुल्क की सुविधा मिलेगी। इससे हमारे किसानों को भी लाभ होगा और निर्यात में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी यह समझौता एक बड़ी उपलब्धि है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और एफटीए के तहत 6 यूके यूनिवर्सिटी भारत में अपने कैंपस खोल रही हैं। इससे हमारे छात्रों को देश में रहकर ही यूके डिग्री मिल सकेगी और उन्हें विदेश जाकर लाखों रुपये खर्च करने की ज़रूरत नहीं होगी।सबसे बड़ा लाभ सेवा क्षेत्र को मिलेगा। पहले जो कर्मचारी 2-3 साल के लिए यूके भेजे जाते थे, उनके वेतन से पेंशन फंड में कटौती होती थी लेकिन उन्हें कोई लाभ नहीं मिलता था क्योंकि वे 10 साल नहीं रुकते थे।

अब वे उसी पैसे को भारत के प्रॉविडेंट फंड में जमा कर सकेंगे – जो उनके लिए एक बचत बनेगी, न कि हानि। यह मुक्त व्यापार समझौता भारत के लिए नए अवसरों का द्वार खोलने वाला है और इसका सबसे बड़ा विजेता भारत का मेहनतकश वर्ग और उद्योग जगत होगा। इस प्रकार यह पूरी तरह से भारत के हितों की रक्षा करने वाला समझौता है। इसके अंतर्गत हमें 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात वस्तुओं पर प्राथमिकता प्राप्त हुई है और अधिकांश मामलों में शून्य शुल्क की सुविधा मिली है। यह एक ऐतिहासिक और शानदार समझौता है, जो सिर्फ वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को समर्थन नहीं देगा, बल्कि एक स्थिर, पूर्वानुमान योग्य और सुरक्षित ढांचा भी तैयार करेगा जिससे भारत यूके की सप्लाई चेन में भरोसेमंद भागीदार बन सकेगा।

नजरिया

नाग पंचमी : धरती के संतुलन में अहम भूमिका निभाते हैं नाग

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को प्रतिवर्ष देशभर में नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 29 जुलाई को मनाया जा रहा है। हालांकि कुछ राज्यों में चैत्र तथा भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी नाग पंचमी' मनाई जाती है। ज्योतिष के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं, इसीलिए मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देवता की पूजा पूरे विधि-विधान से करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि के अलावा आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और सर्पदंश के भय से भी मुक्ति मिलती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार नाग पंचमी इस बार हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। नाग पंचमी के दिन कुछ स्थानों पर कुश' नामक घास से नाग की आकृति बनाकर दूध, घी, दही इत्यादि से इनकी पूजा की जाती है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर नागों के चित्र या मूर्ति को लकड़ी के एक पाट पर स्थापित कर मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम, चावल, फूल चढ़ाकर पूजन किया जाता है और पूजन के पश्चात कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नाग मूर्ति को अर्पित की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से नागराज वासुकि प्रसन्न होते हैं और पूजा करने वाले परिवार पर नाग देवता की कृपा होती है।

कुछ धर्म ग्रंथों में नागों को पूर्वजों की आत्मा के रूप में भी माना गया है। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार नागों को पौराणिक काल से ही देवता के रूप में पूजा जाता रहा है और नाग पंचमी के दिन नाग पूजन करने का तो काफी ज्यादा महत्व माना गया है। भारत में कई स्थानों

पर नाग देवता के कई प्राचीन मंदिर हैं और नागालैंड, नागपुर, अनंतनाग, शेषनाग, नागवनी, नागारखंड, भागसूनाग इत्यादि देश में कई स्थानों का तो नाम ही नागों के नाम पर ही रखा गया है। नागालैंड को तो नागवंशियों का मुख्य स्थान माना गया है और कुछ ग्रंथों में कश्मीर को भी नागभूमि कहा गया है।

भारत में दक्षिण भारत के पर्वतीय इलाकों के अलावा उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम इत्यादि में नाग पूजा प्रमुखता से होती है। जिस प्रकार हमारे कुल देवताओं में देवी-देवता शामिल होते हैं, ठीक उसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में नागों को भी स्थान देवता' माना जाता है। कई जगहों पर तो नागों को कुल देवता, ग्राम देवता और क्षेत्रपाल भी कहा जाता है। हमारे धर्म शास्त्रों के अनुसार कुल 33 कोटि देवी-देवता हैं, जिनमें नाग भी शामिल हैं।

नागों की उत्पत्ति और उनके पाताललोक वासी होने को लेकर महाभारतकालीन एक कथा प्रचलित है। वराहपुराण के अनुसार, महर्षि कश्यप की तेरह पत्नियां थी, जिनमें से एक थी राजा दक्ष की पुत्री कद्रू, जिसने महर्षि कश्यप की बहुत सेवा की, जिससे प्रसन्न होकर महर्षि ने कद्रू को वरदान मांगने के लिए कहा। कद्रू ने उनसे एक हजार तेजस्वी नाग पुत्रों का वरदान मांगा। महर्षि कश्यप के वरदानस्वरूप कद्रू से ही नाग वंश की उत्पत्ति हुई लेकिन जब इन नागों ने धरती पर लोगों को डसना शुरु किया तो नागों से रक्षा के लिए सभी ने ब्रह्माजी से प्रार्थना की। तब ब्रह्माजी ने सभी नागों को श्राप देते हुए कहा कि जिस तरीके से तुम लोगों पर अत्याचार कर रहे हो, अगले जन्म में तुम सभी का नाश हो जाएगा। यह श्राप सुनकर नाग भयभीत हो गए और उन्होंने कातर स्वर में ब्रह्माजी से प्रार्थना की कि जिस प्रकार मनुष्यों के रहने के लिए उन्हें पृथ्वी दी गई है, उसी प्रकार उन्हें भी इस ब्रह्माण्ड में कोई अलग स्थान दिया जाए, जिससे इस समस्या का भी समाधान हो जाएगा। तब ब्रह्माजी ने उन्हें रहने के लिए पाताल देते हुए कहा कि अब से तुम सभी भूमि के अंदर पाताललोक में ही रहोगे। उसके बाद सभी नाग पाताललोक में निवास करने लगे। माना जाता है कि ब्रह्मराजी ने मनुष्यों की नागों से रक्षा के लिए जिस दिन उनके पाताल में रहने की व्यवस्था की, उस दिन सावन महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि थी और तभी से इसी तिथि पर नागों की पूजा के लिए नाग पंचमी' त्योहार मनाया जाने लगा।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार नाग भगवान शिव के गले का हार तो हैं ही, भगवान विष्णु भी समुद्र में शेषनाग की शैया पर विश्राम करते हैं और यह भी मान्यता है कि हमारी धरती इन्हीं शेषनाग के फन पर टिकी है। त्रेता युग में शेषनाग ने भगवान श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण के रूप में धरती पर जन्म लिया था और द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम भी शेषनाग के अवतार माने गए हैं। वैसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नागों को कृषक मित्र जीव माना गया है। दरअसल ये खेतों में फसलों के लिए खतरनाक जीवों, चूहों इत्यादि का भक्षण कर फसलों के लिए मित्र साबित होते हैं लेकिन वर्तमान समय में नागों या सांपों की खाल, जहर इत्यादि चीजों से बड़े व्यापारिक लाभ के लिए बड़ी संख्या में इन्हें मारा और बेचा जाता है। इसी कारण वन्य और जीव-जंतु विभाग तथा सरकारों द्वारा नागों को संरक्षित करने के लिए सांपों को पकड़ने और उन्हें दूध पिलाने पर रोक लगाई जाती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संप्रग के शासनकाल में आतंकवाद 'पनपा', ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को पूरे विश्व ने देखा: राजीव रंजन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने सोमवार को लोकसभा में आरोप लगाया कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के शासनकाल में देश में आतंकवाद 'पनपा'। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता विपक्षी पार्टियों को दिखाई नहीं पड़ती, जबकि उसे पूरे विश्व ने देखा।

संसद के निचले सदन में, 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा में भाग लेते हुए जनता दल (यूनाइटेड) नेता ने कांग्रेस के गौरव गोगोई के भाषण का उल्लेख करते हुए कहा, ''उन्होंने एक भी शब्द इस देश की सेना की वीरता और पराक्रम पर नहीं कहा। सेना की आप प्रशंसा नहीं कर रहे। बल्कि आप बता रहे हैं कि कितना जहाज गिरा, कितनी मिसाइल गिरीं। क्या आपकी नजर में इस देश के सैनिकों का कोई महत्व नहीं है?''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संप्रग के शासनकाल (2004 से 2014 तक) में देश में आतंकवाद 'पनपा' और उसे जगह मिली। उस अवधि के दौरान देश में जो आतंकी घटनाएं हुईं, उनमें 615 लोग मारे गए।

सिंह ने संप्रग शासनकाल के दौरान देश में हुए आतंकी हमलों का उल्लेख किया और कहा कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई में आतंकियों का कब्जा था और आतंकी कैसे घुसे थे, उन्हें बताना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उस हमले में 175 लोग मारे गए थे और 300 लोग घायल हुए थे। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आतंकवाद से लड़ने का ''आपमें न तो साहस था और न ही दम। आप केवल खानापूर्ति करते थे और घड़ियाली आंसू बहाते थे।'' जद (यू) नेता ने कहा कि पूरे देश ने देखा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ओर से दागी गईं सारी मिसाइल हवा में फुलझड़ी की तरह ध्वस्त हो गईं, लेकिन आपको नहीं दिखता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के 11 एयर बेस को भारतीय वायुसेना ने ध्वस्त कर दिया और पाकिस्तान के घुटने टेकने के बाद संघर्ष विराम हुआ था। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर को सराहा और समर्थन किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से विश्व को यह संदेश गया कि भारत एक सशक्त देश है और अपनी रक्षा करने में समर्थ है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) जी बोलते नहीं हैं, बल्कि वह 'एक्ट' (कार्रवाई) करते हैं और 'एक्ट' कर अपनी ताकत दिखाते हैं, चाहे 'सर्जिकल स्ट्राइक' हो, (बालाकोट) एयर सट्राइक हो या ऑपरेशन सिंदूर हो।''

सिंह ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में आकर संघर्ष विराम करने संबंधी विपक्षी दलों के दावे को खारिज करते हुए कहा कि बार-बार ऐसा बोलने से यह सच नहीं हो जाएगा, बल्कि सच्चाई यह है कि भारत किसी के दबाव में नहीं आता और अपना निर्णय स्वयं लेने में समर्थ है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि मुख्य विपक्षी पार्टी का आदर्श गोएबल्स (जर्मनी के तानाशाह रहे हिटलर के प्रचार और सार्वजनिक सूचना मंत्री) है। उन्होंने उल्लेख किया कि गोएबल्स ने कहा था किसी झूठ को बार-बार बोलने से वह सच मान लिया जाता है। उन्होंने कहा कि यह एक प्रसिद्ध कहावत है लेकिन यह विचार सही नहीं है।

सिंह ने कहा, ''यह एक दुष्प्रचार रणनीति है। झूठ कितनी बार भी दोहराई जाए, सच नहीं हो जाएगा।'' उन्होंने विपक्षी दलों से आतंकवाद के खिलाफ सरकार के साथ एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर आतंकवाद के खिलाफ कंधे से कंधा मिला कर चलने की जरूरत है।

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के लव श्री कृष्ण देवरायलू ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से संदेश स्पष्ट है कि भारत इंतजार करेगा लेकिन रूकेगा नहीं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद विदेशों में भेजे गए सर्वदलीय मंडल का सदस्य होने के नाते ''वहां हमने एकजुटता दिखाई'' और दुनिया ने देखा कि हम किसलिए खड़े हैं और पाकिस्तान किसलिए खड़ा है।'' उन्होंने कहा कि दुनिया ने यह भी देखा कि भारत ने विश्व को अहिंसा जबकि पाकिस्तान ने आतंकवाद दिया है।

भाजपा सांसद का कांग्रेस पर कटाक्ष: अच्छा लगा कि थरूर को कोई देशहित में बोलने से रोक नहीं सका

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद बैजयंत पांडा ने कांग्रेस और उसके सांसद शशि थरूर के बीच कथित तौर पर कड़वाहट होने को लेकर सोमवार को लोकसभा में कटाक्ष करते हुए कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि थरूर को कोई देशहित में बोलने से रोक नहीं सका। पांडा ने सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए थरूर का उल्लेख किया। भाजपा सांसद ने कहा, ''(विपक्ष में) कई सारे नेता बहुत अच्छा बोल सकते हैं। मेरे मित्र शशि थरूर बहुत अच्छा बोलते हैं। लेकिन उनकी पार्टी की तरफ से उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है। मुझे बहुत अच्छा लगा कि देशहित में बोलने से (उन्हें) कोई रोक नहीं सका।''

उनकी इस टिप्पणी पर कांग्रेस के सदस्यों ने पुरजोर प्रतिवाद किया।

लोकसभा में, ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में जिन नेताओं को भाग लेना है, उनमें थरूर का नाम नहीं हैं। हालांकि कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि थरूर से चर्चा में भाग लेने के लिए उनकी इच्छा पूछी गई थी, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।

कांग्रेस की तरफ से प्रियंका गांधी वाड्रा, गौरव गोगोई, सप्तगिरि उलाका, प्रनीति शिंदे और ब्रजेंद्र ओला सदन में बोलेंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी इस विषय पर अपनी बात रखेंगे।

पहलगाम हमले और उसके जवाब में शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार द्वारा भारत का पक्ष रखने के लिए विदेश भेजे गए सात प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व करने वाले थरूर ने हाल ही में कुछ ऐसे बयान दिए थे, जो कांग्रेस के आधिकारिक रुख के विपरीत थे।

पांडा ने कहा, ''भारत ने कई बार शांति का हाथ बढ़ाया, पाकिस्तान ने हर बार आतंक का रास्ता अपनाया।''

पांडा ने कहा कि अतीत में सरकारों का रवैया कार्रवाई का नहीं, बल्कि बातचीत का होता था। उन्होंने पूर्ववर्ती संप्रग सरकार का नाम लिए बिना कहा, ''आज का भारत 2008 का भारत नहीं है। यह बदलाव नीतियों में बदलाव के कारण हुआ है।''

रवीना टंडन पहुंची मदुरै, मीनाक्षी अम्मन मंदिर में किए दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन ने तमिलनाडु के मदुरै में स्थित मीनाक्षी अम्मन मंदिर में भगवान शिव और देवी पार्वती के दर्शन किए और दिव्य आशीर्वाद प्राप्त किया। रवीना टंडन ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर मंदिर दर्शन की कई तस्वीरें पोस्ट कीं। कुछ तस्वीरों में वह मंदिर के पास खड़े होकर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। रवीना टंडन ने अपनी तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, आशीर्वाद के लिए धन्यवाद। दिल से आभार। उन्होंने इस पोस्ट के बैकग्राउंड प्ले म्यूजिक में 'काल भैरव अष्टकम' भजन का इस्तेमाल किया। मीनाक्षी अम्मन मंदिर को मीनाक्षी सुंदरेश्वर मंदिर भी कहा जाता है। मीनाक्षी माता पार्वती का एक रूप हैं, वहीं भगवान सुंदरेश्वर भगवान शिव का एक अवतार हैं। मीनाक्षी के भाई अघगर, वह भगवान विष्णु का रूप हैं।

यह मंदिर धार्मिक रूप से बेहद खास माना जाता है, क्योंकि यहां तीन प्रमुख हिन्दू परंपराएं एक साथ मिलती हैं: शैव मत, जो भगवान शिव की पूजा करता है; शाक्त मत, जो देवी शक्ति की पूजा करता है; और वैष्णव मत, जो भगवान विष्णु की पूजा करता है। इस तरह यह मंदिर इन सभी मान्यताओं के लिए एकता का प्रतीक माना जाता है। रवीना टंडन के इस पोस्ट पर उनके फैंस खूब प्यार दे रहे हैं। लोग उनकी तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, ''रवीना की सादगी और श्रद्धा देखकर दिल खुश हो गया।' वहीं दूसरी फैन ने लिखा, ''मां मीनाक्षी के आशीर्वाद से आपकी जिंदगी में हमेशा खुशियां और सफलता आएं।'' अन्य फैंस ने लिखा, ''बहुत सुंदर तस्वीरें, रवीना जी! आप हमेशा यूं ही खुश रहें।'' कई लोगों ने मंदिर की सुंदरता की भी प्रशंसा की और कहा और लिखा, 'मीनाक्षी अम्मन मंदिर वाकई बहुत खास जगह है।'

रवीना के वर्कफ्रंट की बात करें तो अब वह फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी। अहमद खान के निर्देशन में बन रही यह फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली है। इसमें अहम रोल में अक्षय कुमार दिखाई देंगे। उनके अलावा दिशा पटानी, सुनील शेट्टी, संजय दत्त, जैकलीन फर्नांडीज, परेश रावल, अरशद वारसी, जॉनी लीवर और राजपाल यादव भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री बने योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे अधिक समय तक मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले नेता बन गए हैं। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक, आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जो मुख्यमंत्री पद पर आठ वर्ष और 127 दिन तक आसीन रहे थे। इसके मुकाबले, आदित्यनाथ अब तक आठ वर्ष, चार माह और 10 दिन का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं।

इसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अपराध पर लगाम कसने और राज्य को 'नए उत्तर प्रदेश में बदलने की दिशा में काम किया है।

बयान में आदित्यनाथ सरकार की गत आठ सालों की योजनाओं को गिनाते हुए बताया गया है कि इस अवधि में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने प्रदेश को बुनियादी ढांचे, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में नए आयाम दिए हैं। इसमें कहा गया है कि गोरखपुर में एम्स की स्थापना हो, पूर्वांचल-एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे या फिल्म सिटी जैसे कई बड़ी परियोजनाएं इसके उदाहरण हैं। बयान में दावा किया गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना, मुफ्त राशन वितरण, उज्ज्वला योजना, कन्या सुमंगला और मिशन शक्ति जैसी योजनाओं के माध्यम से राज्य के करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

'किंगडम' में विजय देवरकोंडा की एक्टिंग पर रश्मिका मंदाना हुईं कायल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने खास दोस्त विजय देवरकोंडा की अपकमिंग एक्शन फिल्म 'किंगडम' में उनके शानदार प्रदर्शन की तारीफ की। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह 31 जुलाई को सिनेमाघरों में एक्शन फिल्म 'किंगडम' को देखने के लिए दिन गिन रही हैं। विजय देवरकोंडा की अभिनय की प्रशंसा करते हुए रश्मिका ने कहा कि वह उनकी आधी प्रतिभा भी हासिल करना चाहती हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के ट्रेलर का वीडियो पोस्ट कर लिखा, वाह! क्या ट्रेलर है! गजब! इस शानदार ट्रेलर को देखने के बाद 4 दिन और इंतजार करना पड़ रहा है। ये तो नाइंसाफी है! विजय देवरकोंडा मैं हमेशा कहती हूं कि आप अलग हो! मैं चाहती हूं कि मैं अपना अभिनय इतना अच्छा कर लूं, कि आपके अभिनय के 50% तक पहुंच सकूं। 'किंगडम' के निर्देशक और संगीतकार की तारीफ करते हुए रश्मिका ने कहा, गौतम नायडू और अनिरुध आप दोनों जीनियस हैं। मैं आपकी फिल्म की रिलीज का इंतजार नहीं कर सकती, ये देखने के लिए कि आप दोनों ने मिलकर फिल्म कैसी बनाई है। भाग्यश्री आपको भी ढेर सारी शुभकामनाएं क्यूटी। मैं 31 तारीख को थिएटर में आपको देखने के लिए उत्सुक हूं।

अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म 'किंगडम' का ट्रेलर पोस्ट किया। इसे अभिनेत्री ने कैप्शन दिया, अब 31 तारीख का इंतजार नहीं हो रहा! ट्रेलर में विजय का अभिनय बेहद शानदार है। आप तीनों जीनियस! मैं बहुत उत्सुक हूं। ये देखने के लिए कि आप लोगों ने मिलकर क्या बनाया है। गौतम नायडू, अनिरुध बेसब्री से इंतजार है। 'जर्सी' के निर्देशक गौतम तिन्नानुरी द्वारा निर्देशित 'किंगडम' एक अंडरकवर एजेंट सूर्या के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक जोखिम भरे मिशन पर है। उसे दुश्मन के क्षेत्र में घुसपैठ करने का काम सौंपा गया है। फिल्म में कुछ शानदार एक्शन सीक्वेंस के साथ-साथ गहरे भावनात्मक पहलू भी देखने को मिलेंगे।

सात समंदर पार से आईं एली अवराम, जिन्होंने हिम्मत के बूते सपने किए साकार

नई दिल्ली/एजेन्सी

एली अवराम हिंदी सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिनकी खूबसूरती, नृत्य कौशल, और दिलकश अदायगी ने दर्शकों का दिल जीता। फिल्म 'किस किस को प्यार करूं' और टीवी शो 'बिग बॉस' ने अभिनेत्री को फेम दिलाया। कुछ फिल्मों में काम भी किया जो भले ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल नहीं मचा पाईं लेकिन दर्शकों के दिल में घर कर गईं। 29 जुलाई 1990 को स्वीडन के स्टॉकहोम में जन्मीं एली अवराम को बचपन से ही डांस और एक्टिंग में रुचि थी। उन्हें स्वीडिश-ग्रीक अभिनेत्री भी कहा जाता है। एली ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह 14 साल की थीं तो शाहरुख खान की 'देवदास' देखी। इस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने टूरिस्ट वीजा के लिए अप्लाई किया, मुंबई आईं, और हिंदी न जानते हुए भी अपने सपने को हकीकत में बदला। हिंदी सीखने के लिए कड़ी मेहनत भी की। 10 साल से ज्यादा का सफर हिंदी सिनेमा में तय करने के बाद, आज अभिनेत्री बहुत अच्छी हिंदी बोलती है।

एली जब बॉलीवुड में आईं तो उनकी तुलना मशहूर अभिनेत्री कैटरीना कैफ से भी की गई। अभिनेत्री ने एक्टर मनीष पॉल के साथ फिल्म 'मिकी वायरस' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। उनकी मासूमियत और अभिनय ने दर्शकों का ध्यान खींचा, हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही। साल 2013 में 'बिग बॉस 7' में हिस्सा लेकर खूब सुर्खियां बटोरीं। उनकी सादगी और सलमान खान के साथ दोस्ताना बॉन्ड ने उन्हें चर्चा में ला दिया। कुछ समय तक उनके और सलमान के बीच लिंकअप की अफवाहें भी उड़ीं, जिन्हें एली ने हंसकर टाल दिया। शो के दौरान कई बार सलमान उनके साथ मजाकिए अंदाज में भी दिखे, जो दर्शकों के साथ ही साथ शो की टीआरपी के लिए भी काफी सफल माना गया। एली अभिनेत्री होने के अलावा एक प्रशिक्षित बेली डांसर हैं, और ये सिलसिला वर्षों से जारी है। 17 साल की उम्र में वे स्टॉकहोम में परदेसी डांस ग्रुप की सदस्य बनीं, जहां वे बॉलीवुड गानों पर परफॉर्म करती थीं। उन्होंने 'किस किसको प्यार करूं' और 'पोस्टर बॉयज' जैसे गानों में अपने डांस का जादू दिखाया। 2010 में एली ने मिस ग्रीस ब्यूटी कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया, जिससे उनकी मॉडलिंग और एक्टिंग की राह और मजबूत हुई।

हिंदी सिनेमा में एली उन अभिनेत्रियों में से हैं जो अपनी फिटनेस पर खासा ध्यान देती हैं। वह रोजाना आधा घंटा डांस करती हैं और घर का बना खाना पसंद करती हैं, जिससे वह अपनी सेहत और खूबसूरती को बनाए रखती हैं। अभिनेत्री और यूट्यूबर आशीष चंचलानी की तस्वीरों ने हाल ही में डेटिंग की अफवाहें उड़ाईं। लेकिन, बाद में खुलासा हुआ कि यह उनके म्यूजिक वीडियो के लिए बस प्रमोशन का हिस्सा था। एली अवराम की मेहनत, प्रतिभा, और बॉलीवुड के प्रति उनका जुनून उन्हें एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व बनाता है।

दीपिका पादुकोण ने संस्कृति को आकार देने वाली 90 महिलाओं की सूची में शामिल होने पर खुशी जताई

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को मानसिक स्वास्थ्य एवं महिला सशक्तीकरण की वकालत के लिए वैश्विक सांस्कृतिक प्रकाशन 'द शिफ्ट' की संस्कृति को आकार देने वाली 90 से अधिक महिलाओं की सूची में शामिल किया गया है।दीपिका (39) के अलावा, इस सूची में गायिका-अभिनेत्री सेलेना गोमज, हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली, गायिका बिली इलिश और ओलिविया रोड्रिगो जैसी अन्य लोकप्रिय हस्तियों के नाम भी शामिल हैं।दीपिका ने रविवार दोपहर अपने 'इंस्टाग्राम' हैंडल पर एक पोस्ट के जरिए यह खबर साझा की और लिखा, ग्लोरिया स्टीनम और उनके 91 साल के सामाजिक योगदान के सम्मान में, द शिफ्ट' हमारे भविष्य को आकार देने वाली 90 आवाजों का सम्मान कर रहा है। इस सम्मान के लिए मैं उनकी आभारी हूं।अभिनेत्री पिछले कुछ वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य की जागरूकता के लिए काम कर रही हैं। वह 'लाइव लव लाफ फाउंडेशन ऑर्गनाइजेशन' की संस्थापक हैं, जिसका उद्देश्य लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में शिक्षित करना है।

अभिनेत्री रुचि गुर्जर की बढ़ीं मुश्किलें, मुंबई पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन में फिल्म निर्माता करण सिंह चौहान के खिलाफ 24 लाख रुपए की धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराने वाली अभिनेत्री रुचि गुर्जर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। अम्बोली पुलिस ने एक्ट्रेस रुचि गुर्जर समेत 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह मुकदमा फिल्म 'सो लॉन्ग वैली' के निर्माता मान लाल सिंह की शिकायत पर दर्ज किया गया है। मुंबई पुलिस ने एक्ट्रेस रुचि गुर्जर समेत 6 लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 118(1), 189(1), 189(2), 190, 191(1), 329(3), 351(2) और 352 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। रुचि गुर्जर पर आरोप है कि वह प्रीमियर शो के दौरान अपने प्राइवेट सुरक्षा गार्डों के साथ बिना अनुमति के सिनेमाघर में घुस गईं और जमकर हंगामा किया। एक्ट्रेस ने गाली-गलौज कर फिल्म के प्रदर्शन में बाधा डालने की कोशिश की। यह घटना 25 जुलाई को अंधेरी वेस्ट स्थित सिनेपोलिस सिनेमा में हुई, जहां रात 9 बजे फिल्म का प्रीमियर शो आयोजित था। शिकायतकर्ता मान लाल सिंह ने पुलिस को बताया कि फिल्म 'सो लॉन्ग वैली' का निर्माण 2023 से चल रहा था और 25 जुलाई को इसकी आधिकारिक रिलीज होनी थी, लेकिन प्रीमियर शो से ठीक पहले रात करीब 8:40 बजे रुचि, चार महिलाओं और कुछ बॉडी गार्ड्स के साथ सिनेमा हॉल पहुंचीं और बिना किसी निमंत्रण या अनुमति के अंदर घुस गईं। उन्होंने वहां मौजूद लोगों के सामने जोर-जोर से चिल्लाते हुए कहा कि वह फिल्म का प्रदर्शन नहीं होने देंगी। उन्होंने निर्माता मान लाल सिंह को अपशब्द कहा और अपने पैसों की मांग करते हुए धमकियां भी दीं। जब वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने रोकने की कोशिश की तो रुचि के बॉडी गार्ड्स ने धक्का-मुक्की की और खुद एक्ट्रेस ने चप्पल निकालकर मान सिंह पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने एक प्लास्टिक की बोतल भी फेंकी।

अभिनेत्री सोमी अली ने आदित्य पंचोली पर लगाए गंभीर आरोप, सूरज को बताया जिया की मौत का जिम्मेदार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सोमी अली ने रविवार को सोशल मीडिया पर आदित्य पंचोली और उनके बेटे सूरज पंचोली के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए एक बयान साझा किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने आदित्य पंचोली को घटिया इंसान कहा और उन पर महिलाओं के साथ धोखा करने और उनकी पिटाई करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी बताया कि आदित्य का बेटा सूरज पंचोली, अभिनेत्री जिया खान की मौत का जिम्मेदार है। अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, आदित्य पंचोली-तुम महिलाओं के साथ धोखा करते हो। उन्हें मारते हो और तुम्हारा बेटा जिया खान की मौत का जिम्मेदार है। तुम कचरा हो। तुम खुद के साथ कैसे जीते हो? सूरज को भी वही पुराने हथकंडे सिखा रहे हो? तुम एक घटिया इंसान हो।

बता दें कि जून 2013 में अभिनेत्री जिया खान जुहू स्थित सागर तरंग अपार्टमेंट में अपने निवास पर फांसी के फंदे पर झूलती हुई पाई गईं। इस घटना के बाद उनके बॉयफ्रेंड सूरज पंचोली पर अभिनेत्री को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा था। यह मामला कोर्ट में लगभग 10 सालों तक चला था। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद, साल 2023 में सूरज को बरी कर दिया गया। इसके अलावा, अभिनेत्री ने हाल ही में एक बयान दिया था, जिसमें उन्होंने अभिनेत्री तनुश्री दत्ता का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि उन्हें तनुश्री की बातों पर भरोसा है कि उनके साथ घर पर परेशान करने वाली घटनाएं हुई थीं। सोमी ने यह भी कहा कि उन्होंने खुद ऐसे ही अनुभव किए हैं, इसलिए वह तनुश्री की तकलीफ को अच्छी तरह समझ सकती हैं। सोमी अली ने कहा, तनुश्री ने बताया कि उन्हें परेशान किया गया, मानसिक रूप से कमजोर किया गया, उनके घर में नौकरानी के रूप में जासूस भेजा गया, और यहां तक कि उन्हें जहर देने की कोशिश की गई। कुछ मीडिया वालों ने उनका मजाक उड़ाया, कुछ ने उनकी मानसिक स्थिति पर सवाल उठाए, लेकिन बहुत कम लोगों ने यह सोचा कि अगर ये सब सच हो तो? अगर तनुश्री की कहानी कोई अकेला मामला नहीं, बल्कि आम बात हो? उन्होंने आगे कहा, मैं भी कभी उस दुनिया का हिस्सा थी। मैंने देखा है कि महिलाओं को 'ऑडिशन' के नाम पर गलत प्रस्ताव दिए जाते थे, जिसका अभिनय से कोई लेना-देना नहीं होता था।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

इंसान का जीवन एक तिजोरी के समान है। इसमें सद्गुण रूपी आभूषण रखना चाहिए। दुर्गुणों का कचरा भरने की मूर्खता हर्गिज भी नहीं करनी चाहिए। कुटिलता और कृपणता ऐसे दुर्गुण हैं जो जीवन में सरलता और उदारता के गुण को प्रकट नहीं होने देता। जहाँ मायाचार का सेवन नहीं है वहाँ मधुरता और सरसता का वास है। सरल व्यक्ति ही लोकप्रिय और भगवान की कृपा का पात्र बनता है। कंजूस व्यक्ति उसे माना जाता है जिसके पास प्रचुर मात्रा में शक्ति और साधन है फिर भी उपयोग और उपभोग के मौके दाएं बाएं झांकता है व्यय नहीं करने के नए नए बहाने खोजता है और अपनी महानता को झूठे आदर्शों और सिद्धांतों के सहारे प्रकट करता है केवल संग्रह करने की नित नूतन योजना बनाता है।

माहेश्वरी सभा के गौरी शंकर राठी अध्यक्ष व संजय मूंदड़ा सचिव बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माहेश्वरी सभा की 71वीं वार्षिक साधारणसभा 27 जुलाई को साहूकारपेट स्थित माहेश्वरी भवन के सभागार में अत्यंत गरिमामय एवं सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। इस सभा में समाज के वरिष्ठजनों, पूर्व पदाधिकारियों, आम सदस्यों एवं नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। चुनाव अधिकारी मोहन लाल बजाज, प्रमोद मालपानी, महावीर मर्दा, अशोक लखोटिया ने 71वी वार्षिक साधारण सभा में वर्ष 2025-2027 की कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से चुने गए सदस्यों की घोषणा की गई। जिसमें सभी पदाधिकारी निर्विरोध रूप से चुने गए। यह समाज के सामूहिक सहयोग और परस्पर विश्वास का प्रतीक है, जिसने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को एकता और सहमति से पूर्ण किया। इसमें अध्यक्ष गौरीशंकर राठी, उपाध्यक्ष कमल गोयदानी और हरि किशन मूंदड़ा,

सचिव संजय मूंदड़ा, सहसचिव जगदीश गोयदानी, कोषाध्यक्ष अनुराग माहेश्वरी, नवगठित कार्यकारिणी में अशोक गोयदानी, देवकिशन काबरा, हरि रतन राठी, जुगल किशोर बिसानी, कमल किशोर भैया, किशन झांवर, मदन मोहन राठी, मनोज राठी, मुकुल डागा, निर्मल धीरन, पवन मोहता, प्रदीप माहेश्वरी, रविन्द्र डागा, श्यामसुंदर मेहता, सुरेश कोठारी कार्यकारिणी सदस्य बनाए गए।

सभा अध्यक्ष डॉ. अशोक जे. मूंधड़ा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौरी शंकर राठी को शॉल ओढाकर व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया। सभा की शुरुआत महेश वंदना से की गई। सभा अध्यक्ष डॉ. अशोक जे. मूंधड़ा ने अपने कार्यकाल के चार वर्षों की सामाजिक उपलब्धियों, सेवा कार्यों एवं नवाचारों का उल्लेख करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। सचिव संजय मूंदड़ा द्वारा वर्ष 2024-2025 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसे सभा ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। कोषाध्यक्ष अनुराग माहेश्वरी ने सभा के समक्ष वर्ष 2024-2025 की आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया जिसे भी सर्वसम्मति से स्वीकृति प्राप्त हुई।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौरी शंकर राठी ने सभा को संबोधित करते हुए सभी समाजबंधुओं, पूर्व अध्यक्षों, सहयोगियों और सदस्यों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि यह जिम्मेदारी मेरे लिए गौरव के साथ-साथ उत्तरदायित्व का विषय है। हम समाज के सभी वर्गों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठजनों और व्यवसायिक वर्ग - को साथ लेकर सेवा, शिक्षा, संवाद और समरसता के साथ कार्य करेंगे। समाजहित के हर कार्य को प्राथमिकता देंगे। सभा के समापन में नवनिर्वाचित सचिव संजय मूंदड़ा ने एक बार फिर सभी उपस्थित सदस्यों, पूर्व पदाधिकारियों, अतिथियों और समाजसेवकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

चेन्नई में तेरापंथ की सार संभाल यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेयुप चेन्नई द्वारा अध्यक्ष विशाल सुराणा की अध्यक्षता में अभातेयुप निर्देशित शाखा प्रभारी नितेश कोठारी द्वारा सार संभाल यात्रा के तहत संगठन यात्रा बैठक 27 जुलाई को की गई। मंगलाचरण के साथ बैठक की शुरुआत हुईं। विजय गीत के पश्चात श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन भरत मरलेचा ने किया जिसे सभी ने दोहराया। अध्यक्ष विशाल सुराणा ने सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

परिषद की संगठन यात्रा हेतु पधारे हुए शाखा प्रभारी नितेश कोठारी द्वारा अभातेयुप के सभी आयामों की और विशेष कर आगामी कार्यक्रम एमबीडी आरएएम 2.0 के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई और सभी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। मीटिंग के दौरान एमबीडीडी 2.0 के बैनर का अनावरण शाखा प्रभारी नितेश कोठारी, अध्यक्ष विशाल सुराणा एवं उपस्थित सभी सदस्यों के समक्ष किया गया। भरत मरलेचा एवं अभातेयुप सदस्यों कोमल डागा, विकास कोठारी, संतोष सेठिया, संदीप मुथा और दिलीप गेलड़ा ने अभातेयुप आयामों की संक्षिप्त जानकारी दी। मीटिंग के दौरान सभी सदस्यों ने अपना परिचय शाखा प्रभारी के समक्ष रखा। मीटिंग का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन तेयुप मंत्री मुकेश आच्छा ने दिया।

जगन्नाथ टेक्सटाइल्स द्वारा महारुद्राभिषेक में शामिल हुए हजारों श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। कोयम्बटूर में 28 जुलाई को आरएसपुरम् के राजस्थानी संघ में जगन्नाथ टेक्सटाइल समूह के रमेश टिबरेवाल द्वारा महारुद्र अभिषेक का भव्य पूजन में हजारों लोगों ने लिया भाग लिया।

उद्योगपति रमेश टिबरेवाल ने अपने परिजनों के साथ सभी भक्तों का स्वागत किया और शिवाचार्यों और संतोंका सम्मान किया।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महारुद्राभिषेक की शुरुआत आम जनता के साथ हुई और अतिविशिष्ट व्यक्तियों ने दूध, दही, हल्दी, नारियल जल, शहद, जड़ी-बूटियों, चंदन और अन्य पवित्र सामग्रियों से शिव का अभिषेक किया और भगवान की पूजा-अर्चना की।

पूर्व मंत्री और कोयंबटूर के थोंडामाथुर विधायक और अन्नाद्रमुक के मुख्य सचेतक एसपी वेलुमणि और सिंगनालूर के विधायक जयकुमार भी अपने परिवार के साथ समारोह में उपस्थित हुए और उन्होंने भी शिव अभिषेक किया।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद अभिषेक टिबरेवाल ने किया। सुबह से शुरु हुए यह कार्यक्रम रात्रि तक चला। हजारों लोगों ने अभिषेक और पूजन दर्शन, शिव प्रसादी का लाभ उठाकर शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मति और मन को बिगड़ने मत दो : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजित डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने सोमवार को प्रवचन के दौरान कहा कि सभी प्राणियों के लिए सुखकारी जिनवाणी है, जो साधना और केवल ज्ञान के पश्चात प्रकट होती है। उन्होंने बताया कि जैसे कंप्यूटर में एक वायरस आ जाए तो पूरा डेटा उड़ जाता है, वैसे ही जीवन में घमंड एक वायरस की तरह है जो सब कुछ नष्ट कर सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे साँप-सीढ़ी के खेल में कोई 98 पर पहुंचकर जीत से पहले साँप के कारण नीचे गिर जाता है, वैसे ही जब हम घमंड कर बैठते हैं चाहे वह धन, ज्ञान या तपस्या का हो तो हमारी पूरी साधना व्यर्थ हो जाती है।

मुनिश्री ने कहा कि जीवन में जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, वैसे-वैसे अच्छे संस्कारों को अपनाना चाहिए। यदि शरीर बीमार हो तो हजारों मदद के लिए होते हैं, लेकिन यदि मति और मन बिगड़ जाए तो कोई सहारा नहीं होता। उन्होंने चेताया कि यदि हम दूसरों को दुख पहुंचाते हैं, तो हमारे कर्म नरक की ओर ले जाते हैं। उन्होंने कहा कि रावण की मति बिगड़ी थी, इसीलिए आज तक लोग उसे जलाते हैं। इसलिए ये ठान लो कि चाहे जो भी हो जाए, अपनी मति और मन को बिगड़ने नहीं दूंगा। साथ ही तीन दिवसीय 'आओ श्रावक बने' 28 से 30 जुलाई तक ये कार्यक्रम रहेगा। कार्यक्रम में अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा, कार्याध्यक्ष मिठालाल पगारिया, दीपचंद लुनिया और मदनलाल गुंदेचा उपस्थित रहे। मंच संचालन विनयचंद पावेचा ने किया।

ज्ञान तभी सार्थक है जब वह नम्रता और व्यवहार में उतरे : पंन्यास विमलपुण्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी महाराज के शिष्य पंन्यास प्रवर विमल पुण्यविजयजी म.सा. ने सोमवार को समकित के '67 बोल' ग्रंथ के अंतर्गत अमृतमयी प्रवचन प्रदान किए। प्रवचन में उन्होंने कहा कि प्रभु द्वारा बताए गए 'जीवादिक' आदि का यथार्थ विचार ही 'परमार्थ संस्तव' नामक पहली सद्दहणा है। यह सम्यक् ज्ञान का मूल आधार है। उन्होंने ज्ञान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि जो ज्ञानी मुनि हैं, वे रत्नों के जौहरी हैं। संवेग रस में स्नान करने वाले और समता रूपी अमृत रस पिलाने वाले महापुरुष हैं। शुद्ध धर्म मार्ग का ज्ञान देने वाले विद्वान हैं, ऐसे गीतार्थ महात्माओं की सेवा करना 'सुदृष्ट परमार्थ' कहलाता है। पंन्यास प्रवर ने 'जयणा' को धर्म की माता बताया और कहा कि जयणा का वास्तविक अर्थ है प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष किसी भी हिंसा से बचना। यह केवल नियम नहीं, जीवनशैली है जो करुणा, संयम और सजगता से परिपूर्ण होती है। पुस्तकीय ज्ञान की सीमाओं पर प्रकाश डालते हुए पंन्यास प्रवर ने कहा कि सिर्फ पढ़ना अहंकार को जन्म देता है, जबकि पचाया गया ज्ञान ही आत्मा को निर्मल करता है।

जिनवाणी श्रवण करते समय श्रद्धा भाव का होना आवश्यक : वीरेंद्र मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री एस एस जैन स्थानक बजार रोड सैदापेट में विराजित परम पूज्य गुरुदेव श्री वीरेन्द्र मुनिजी म सा ने प्रवचन में बताया कि कही पर भी साधु साध्वी का समागम हो या चतुर्मास का काल हो तो आप सभी को ज्यादा से ज्यादा समय निकालकर जिनवाणी श्रवण करने के भाव रखने चाहिए एवं भगवान की वाणी पर सच्ची श्रद्धा होनी चाहिए। गुरुदेव, साधु साध्वियों के वक्तव्य या प्रवचन को एकाग्रता से सुननी चाहिए। उदाहरण में कहा कि जैसा हम सरकार द्वारा बनाए गए क़ानून का हम पालन करते हैं उसी तरह भगवान के बताए गए मार्ग को सत्य मानकर उनका जीवन में पालन करना चाहिए। सुखविपाक सूत्र वाचन के चौथे व्रत (मैथुनविर्मन व्रत) के विषय में एक कहानी के माध्यम से ब्रह्मचर्य पालन का महत्व बताया। मंत्री राजेंद्र लुंकड़ ने सभी का स्वागत अभिनंदन करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

पल्लावरम में मुनि दीपकुमार के सान्निध्य में 'महिमा जन्मदाता की' कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में 'महिमा जन्मदाता की' कार्यशाला का सुंदर आयोजन तेरापंथ भवन, पल्लावरम में किया गया। मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि माँ-पिता का रिश्ता दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण रिश्ता होता है, क्योंकि वह रिश्ता जन्म से 9 माह पहले ही शुरू हो जाता है। वे लोग किस्मत वाले होते हैं, जिनके सिर पर मां-बाप का साया होता है। याद रखें माता-पिता बूढ़े पेड़ की तरह होते हैं, जो फल भले न दे पर छाया जरूर देते हैं। कहते हैं संसार में पृथ्वी बहुत विराट है, आकाश बहुत विशाल है और ब्रह्मांड अंतहीन है, किंतु माता-पिता की विशालता इससे भी अधिक है। माँ विश्व भर की लाखों शब्द संपदा वाले शब्द भंडार का सबसे छोटा, किंतु अपने आप में परिपूर्ण वात्सल्य भावना से सिक्त और रहस्य गर्भित है। माता-पिता की असली पहचान बच्चे ही होते हैं। बच्चों में उनके संस्कार सहज प्रतिबिंबित होते हैं। बच्चा नागरिकता का पहला पाठ मां के स्नेह और पिता के संरक्षण में ही सिखाता है।

मुनिश्री ने आगे कहा कि वर्तमान परिवेश में माता-पिता अपने मूल स्वरूप को भूलते जा रहे हैं। बच्चों को समय, संस्कार, संरक्षण कम दे पा रहे हैं, यह बहुत बड़ी विडंबना दिखाई दे रही है। मुनिश्री ने विस्तार से 'महिमा जन्मदाता की' विषय पर करीब 40 मिनट तक धाराप्रवाह प्रवचन किया। मुनिश्री काव्यकुमारजी ने कहा की माँ-पिता के सिवाय अपना कोई नहीं होता। अपने मां-बाप पर इतना विश्वास करो, जितना दवाइयाँ पर करते हो। वे भले ही कड़वी होगी पर फायदेमंद होगी। इस दुनिया में बिना स्वार्थ के सिर्फ माता-पिता ही प्यार करते हैं। अपने मां-बाप पर जबान की कैची मत चलाना, क्योंकि यह वे ही लोग हैं जिन्होंने तुम्हें बोलना सिखाया है। कार्यशाला में तेरापंथ किशोर मंडल, चेन्नई ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में साध्वी श्री बिदामांजी की स्मृति सभा का भी आयोजन किया गया।

तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एससी अग्रवाल चेरिटेबल ट्रस्ट मुख्य दानदाता के सौजन्य से तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित एवं डीजी वैष्णव कॉलेज के एन एस एस विंग के सहयोग से कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलन के उपरांत तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष अशोक केडिया ने सभी का स्वागत किया। एससी अग्रवाल चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन व ट्रस्टी एससी अग्रवाल ने बताया कि कैसे ट्रस्ट पिछले 17 सालों से यह सेवा तमिलनाडु में दे रहा है, जहां 8200 कृत्रिम अंग वह भी एकदम फ्री दिए जा चुके हैं।

परियोजना के चेयरमैन संजीव अग्रवाल ने बताया कि आज हम 23 दिव्यांगों को विभिन्न तरह के कृत्रिम अंग दे रहे हैं और यह सब एससी अग्रवाल चेरिटेबल ट्रस्ट ने निशुल्क प्रदान किए हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मन्नारगुड़ी के रामानुज जीयर स्वामीगळ एवम् विशिष्ट अतिथि श्रीपेरंबुदूर के एम्बार जीयर स्वामीगळ ने सभा को संबोधन करते हुए एससी अग्रवाल चेरिटेबल ट्रस्ट की तमिलनाडु में की जा रही इस सेवा की भरपूर सराहना एवं प्रशंसा की और तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में एनएसएस विंग की ओर से उमापति, कल्पना एवम् मनोज को सम्मानित किया गया और एनएसएस विंग के छात्रों के प्रयासों को सराहा गया।

तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन के महासचिव मोहनलाल बजाज ने मारवाड़ी सम्मेलन की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कोषाध्यक्ष रविन्द्र गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम के सह-संयोजक अजय नाहर ने मंच का संचालन किया। समूचे तमिलनाडु से दिव्यांग आए और उन्हें कैलिपर्स, व्हीलचेयर और अन्य कृत्रिम अंग के साथ-साथ खाने के पैकेट भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष अशोक मूंधड़ा, विजय गोयल, पूर्व सचिव मुरारीलाल सौंथलिया, महाबीरप्रसाद मडदा, राम अवतार रूंगटा, विजय लोहिया, अमित घुरका, प्रदीप माहेश्वरी, अनुराग माहेश्वरी, पोयम व पालकी अग्रवाल, अशोक लखोटिया, जितेंद्र लोहार, आदित्य मोहता, कृष्ण कुमार नथानी, एन.वी. संपत, बालसुब्रमण्यम, निर्माणकर्ता वेंकटेश, एस सी अग्रवाल ट्रस्ट के ट्रस्टियों आदि का विशेष सहयोग रहा।

उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन एवं उत्कृष्ट राजभाषा गृह पत्रिका हेतु पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां 28 जुलाई को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति(उपक्रम) चेन्नै की 16वीं अर्द्धवार्षिक बैठक चेन्नै पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, चेन्नई के तत्वाधान में संपन्न हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में निर्मल कुमार दुबे, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्चि उपस्थित थे। इस मौके पर ही भारतीय खाद्य निगम, आंचलिक कार्यालय(दक्षिण) से मुख्य महाप्रबंधक(दक्षिण) शेख कमाल साहेब, महाप्रबंधक(राजभाषा) हर्षित सिंह, उप महाप्रबंधक(राजभाषा) आर के सिंह एवं सदस्य सचिव, नराकास(उपक्रम) सेल्वी पार्थिबन, सहायक महाप्रबंधक(राजभाषा) मंचासीन थी।

भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई को वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए तृतीय पुरस्कार एवं उत्कृष्ट राजभाषा गृह पत्रिका 'अन्नालयम' के पंचम संस्करण के लिए तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै द्वारा नराकास(उपक्रम) के तत्वावधान में मार्च, 2025 से जून, 2025 तक आयोजित होने वाली विभिन्न राजभाषायी प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी की गई।

महाप्रबंधक(क्षेत्र) प मुत्तुमारन ने राजभाषा अनुभाग के साथ कार्यालय के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इसी प्रकार अपने अपने अनुभागों में राजभाषा हिंदी में कार्य करते रहे ताकि तमिलनाडु क्षेत्र में राजभाषा हिंदी का प्रसार-प्रचार होते रहें।

महापुरुषों के विचार मानवता का मार्गदर्शन करते हैं : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में सोमवार को राष्ट्रसंत कमल मुनिजी कमलेश ने संबोधित करते कहा कि महापुरुषों से बढ़कर भी महान है, उनके विचारों का साहित्य हजारों साल तक भटकती मानवता को मार्ग प्रदान करता रहेगा। साहित्य परमात्मा का साक्षात दूसरा रूप है, दिव्य ज्ञान का तीसरा नेत्र है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों को हजारों साल तक अमर बनाने वाला, उनके पावन विचारों का साहित्य है। जो जीवन निर्माण में ऑक्सीजन से महत्वपूर्ण है। आत्मा का जन्म जन्मांतर में उद्धार करने में मिल का पत्थर साबित होता है।

मुनि कमलेश ने बताया कि अश्लीलता परोसने वाला प्रतिबंधित साहित्य शासन प्रशासन की मिली भगत से नाक के नीचे धड़ले से बिक रहा है। जंगल रात छाया हुआ है मानो कानून नाम की कोई वस्तु नहीं है। प्रदूषण मानसिकता को जन्म देने वाला खराब साहित्य जहर से भी खतरनाक है, रेप छेड़छाड़ बलात्कार जैसी घटनाओं में बाढ़ आ रही है। सरकार कानून का शक्ति से पालन करके रोक लगेगी तब घटनाओं में कमी आएगी।

उन्होंने कहा कि साहित्य हमारी अनमोल धरोहर है, प्रतिदिन स्वाध्याय करने से आत्मा में निर्मलता आती है, विचारों में पवित्रता आती है और आचरण ने ऊंचाई आती है। जैन संत ने कहा कि संस्कार युक्त साहित्य ही अमृत के समान है। जितना पुराना साहित्य पढ़ने पर इतिहास का ज्ञान होता है अनुभव का भंडार भरता है जो शिल्पकार का काम हमारे लिए करता है।

अंतरराष्ट्रीय प्रकृति केंद्र के पूर्व निदेशक साहित्यकार डॉ दिलीप धींग ने कहा कि साहित्य दर्पण है जो आत्मा का श्रृंगार करने में काम आता है। साहित्य जीवन का सच्चा साथी है कैसे कहीं भी कभी भी किसी स्थान पर बैठकर पढ़ते हुए चिंतन किया जा सकता है।

उन्होंने राष्ट्रसंत को शोध ग्रंथ निबंध संग्रह संस्थान और कहानियों का 10 पुस्तक भेंट स्वरूप दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.